@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 4 सितंबर 2026

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 301 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

# भारत-बेल्जियम रिश्तों को नई ताकत

## पीएम मोदी और बार्ट डी वेवर की मुलाकात में रक्षा से ग्रीन एनर्जी तक कई मुद्दों पर चर्चा

**एजेंसी**

**ई दिल्ली।** भारत और बेल्जियम के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के बीच गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। दोनों नेताओं की मुलाकात नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में हुई। बैठक में रक्षा सहयोग से लेकर ग्रीन एनर्जी, व्यापार और तकनीकी साझेदारी तक कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

**रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बढ़ेगा सहयोग**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-बेल्जियम सहयोग अब पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि दोनों देश आधुनिक रक्षा उपकरणों के क्षेत्र में साथ काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने विशेष रूप से जोरावर टैंक का उल्लेख किया। इसके अलावा आंध्र

प्रदेश के काकीनाडा में बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट को भी दोनों देशों के सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और नई तकनीक आने वाले समय में भारत-बेल्जियम साझेदारी के प्रमुख क्षेत्र होंगे।

**प्रथम विश्व युद्ध के बलिदान को किया याद**

पीएम मोदी ने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान की साझा स्मृति दोनों देशों के रिश्तों को ऐतिहासिक आधार देती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार आधारित अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच मजबूत संबंध भारत और बेल्जियम को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं।

**व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य**

दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत-बेल्जियम बिजनेस फोरम को नियमित व्यवस्था बनाने पर सहमति जताई। वित्तीय, फिनटेक और नियामक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने की भी योजना है। भारत का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है। इसके साथ ही स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों, रिसर्च और समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। प्रतिभाओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर आगे बढ़ने की बात कही गई।

### राजघाट पहुंचकर गांधी को दी श्रद्धांजलि

बैठक से पहले बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ विजिटर बुक में अपने विचार भी दर्ज किए। डी वेवर फरवरी 2025 में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बने थे और यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। करीब दो दशकों बाद किसी बेल्जियम प्रधानमंत्री का भारत दौरा हो रहा है। उनके साथ रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकन तथा उच्चस्तरीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।

# केरल चुनाव में हार के बाद सीपीआई(एम) में घमासान

## नेतृत्व पर उठी उंगलियां

**एजेंसी**

**तिरुवनंतपुरम ।** केरल चुनाव के बाद सीपीआई(एम) में मंथन और तेज होता जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता थॉमस आइजैक ने चुनावी हार पर अपनी स्पष्ट और आलोचनात्मक टिप्पणी पर कायम रहते हुए नेतृत्व की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। वहीं पार्टी के पूर्व वरिष्ठ नेता टी.के. गोविंदन ने भी सीधे तौर पर पार्टी नेतृत्व की आलोचना की है। आईजैक ने गुरुवार को कहा कि उनकी टिप्पणियां पूरी तरह से पार्टी की केंद्रीय समिति की रिपोर्ट में निहित टिप्पणियों पर आधारित थीं और वह अपने कहे पर कायम हैं। उन्होंने यह स्वीकार किया कि दस साल सत्ता में रहने के बाद पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं में अहंकार आ गया था, जिससे संगठन के भीतर पहले ही बहस छिड़ गई थी। पार्टी द्वारा अगले सप्ताहांत से शुरू होने वाली विस्तारित राज्य समिति की बैठक में रखे जाने वाले मुद्दों को अंतिम रूप देने की तैयारी के बीच आईजैक की स्थिति का महत्व और भी बढ़ जाता है। राज्य सचिवालय और राज्य समिति से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उन प्रमुख संगठनात्मक और राजनीतिक प्रश्नों की पहचान करें जिन पर विस्तृत चर्चा की आवश्यकता है। इस बीच, गोविंदन, जिन्होंने सीपीआई (एम) से नाता तोड़कर बागी उम्मीदवार के रूप में तालिपारम्बा विधानसभा चुनाव लड़ा था, ने खुले तौर पर नेतृत्व को हार की जिम्मेदारी स्वीकार करने की चुनौती दी है।

# गरीबों के हित में हो जमीन का उपयोग: सीएम योगी

**कौमी पत्रिका**

लखनऊ। नजूल की जमीन पर अवैध कब्जे करने वालों पर शिकंजा कसने के साथ ही इसका इस्तेमाल गरीबों और जनहित के कार्यों में करने की तैयारी है। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंधन और उपयोग) विधेयक, 2024 को लेकर प्रवर

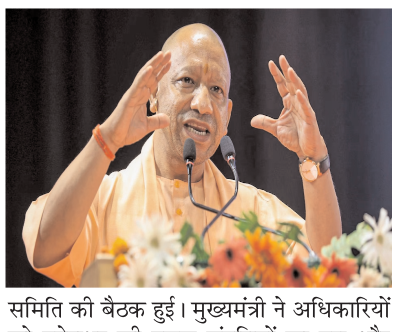

समिति की बैठक हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रदेशभर की नजूल संपत्तियों का पूरा और तथ्यात्मक ब्योरा जुटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नजूल जमीन का लाभ गरीबों को मिलना चाहिए। जहां संभव हो, वहां गरीबों के लिए आवास बनाए जाएं। उन्होंने अगली बैठक में प्रदेश की नजूल संपत्तियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने को कहा। समिति की अगली बैठक करीब एक महीने बाद होगी। बैठक में प्रमुख सचिव आवास पी. गुरुप्रसाद ने नजूल संपत्तियों की मौजूदा स्थिति, लंबित न्यायिक मामलों और जमीन से जुड़े विभिन्न प्रकरणों पर प्रस्तुतीकरण दिया। अगली बैठक में जिलेवार कुल नजूल संपत्तियां, न्यायालयों में लंबित मामलों वाली जमीन, फ्रीहोल्ड की जा चुकी संपत्तियां, अवैध कब्जे और अन्य जरूरी अभिलेखों का ब्योरा रखा जाएगा। सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने भी जिलेवार तथ्यात्मक डाटा उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि वास्तविक आंकड़ों के बिना व्यापक नीति बनाना उचित नहीं होगा। वैध रूप से वर्षों से रह रहे लोगों, पुराने पट्टेदारों और गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के हितों की रक्षा के साथ सरकारी जमीन की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। एमएलसी ध्रुव त्रिपाठी ने कहा कि नजूल जमीन का प्रावधान पुरानी व्यवस्था से चला आ रहा है। इसका इस्तेमाल गरीबों के हित में होना चाहिए और अतिक्रमणकारियों अथवा उद्योगपतियों को सरकारी जमीन पर नाजायज कब्जा नहीं करने दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कई अवैध कब्जे निरस्त किए जा चुके हैं। बैठक में पुराने पट्टेदारों के अधिकार, निरस्त पट्टे, फ्रीहोल्ड संपत्तियां, बेदखली, मुआवजा और पुनर्वास के साथ अधिकारियों के विवेकाधीन अधिकारों पर नियंत्रण और भविष्य के उपयोग व आवंटन में पारदर्शिता पर भी जोर दिया गया। सरकारी और राजस्व रिकॉर्ड के अनुमानों के अनुसार प्रदेश में करीब 72 हजार एकड़ नजूल भूमि है, जिसकी अनुमानित कीमत दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है। प्रयागराज में करीब 71 लाख वर्गमीटर नजूल भूमि बताई गई है। लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर, गोंडा, वाराणसी, आगरा और बाराबंकी में भी बड़ी मात्रा में ऐसी जमीन है। नए नियमों के तहत निजी व्यक्ति या संस्था के लिए नजूल जमीन को फ्रीहोल्ड करने पर रोक है। पट्टे की अवधि पूरी होने पर जमीन सरकार के पास वापस जाएगी और इसका उपयोग स्कूल, अस्पताल, पार्क, मेट्रो तथा प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे जनहित के कार्यों में किया जा सकेगा।

# मुश्किल में है अर्थव्यवस्था, सरकार दिखा रही सुंदर तस्वीर: शरद पवार

**कौमी पत्रिका**

मुंबई। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर महंगाई और आर्थिक मुश्किलों जैसे वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान हटाकर अर्थव्यवस्था की बेहतर तस्वीर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने छात्रों के लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार, हृश्वश्वञ्ज मामलों में न्यायपालिका के फैसले, शिवसेना के चुनाव चिह्न विवाद और प्रशासनिक हस्तक्षेप को लेकर भी अपनी राय रखी। पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित बारामती दौरे, चीनी के आयात, गन्ना किसानों की स्थिति और मराठवाड़ा में सूखे की आशंका पर भी चिंता जताई। साथ ही उन्होंने दूध में मिलावट रोकने के लिए स्नष्ठ कमिश्नर तुकाराम मुंडे की कार्रवाई का समर्थन किया। पुणे जिले में अपने गृहनगर बारामती में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पवार ने यह भी दावा किया कि लोगों का ध्यान मुख्य मुद्दों से हटाने के लिए सरकार की सहमति से कुछ मुद्दों को हवा दी जा रही है। आज राज्य और देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति मुश्किल है। महंगाई बढ़ रही है और परिवार के मुखिया के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है। इन सभी चीजों से ध्यान हटाने के लिए सरकार की सहमति से शिक्षा सहित कुछ मुद्दे उठाए जा रहे हैं, ताकि मुख्य मुद्दों को आसानी से नजरअंदाज किया जा सके। हम देख रहे हैं कि यह जानबूझकर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 7.8 प्रतिशत की त्रष्ठक्क विकास दर के लिए देश के लोगों की सराहना की थी। उन्होंने इस उपलब्धि को खास तौर पर प्रभावशाली बताया, क्योंकि यह वैश्विक उथल-पुथल, भू-राजनीतिक संघर्षों और आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के बावजूद हासिल हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के बयान का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि देश के वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि देश की अर्थव्यवस्था की तस्वीर बहुत सुंदर है। वे असली समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं... ऐसा लगता है कि उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मौजूदा स्थिति से लोगों का ध्यान हटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ बातें कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी और इसका सीधा असर उनकी जेब पर महसूस होगा। मंगलवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश (ष्टछ्वढ्ढ) की

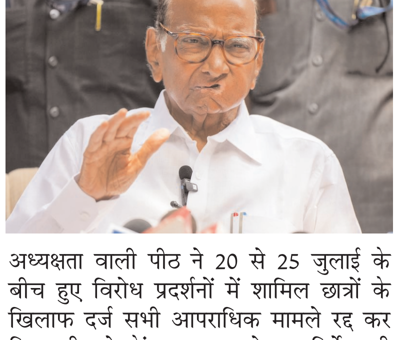

अध्यक्षता वाली पीठ ने 20 से 25 जुलाई के बीच हुए विरोध प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी आपराधिक मामले रद्द कर दिए। पीठ ने केंद्र सरकार को यह निर्देश भी दिया कि आत्महत्या कर चुके हृश्वश्वञ्ज अभ्यर्थियों के परिवारों को तीन महीने के भीतर आर्थिक मुआवजा दिया जाए। इस बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में पवार ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह छात्रों का विरोध प्रदर्शन है और उनकी कुछ मांगें हैं। न्यायपालिका ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार की अपनाई गई नीति गलत है। न्यायपालिका ने एक तरह से सरकार को कड़ी सलाह दी है कि अगर आप इस तरह से कोई फैसला नहीं लेते हैं, तो हमें कुछ फैसले लेने होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित बारामती दौरे के बारे में पवार ने कहा, उन्होंने कहा है कि वह आ रहे हैं।

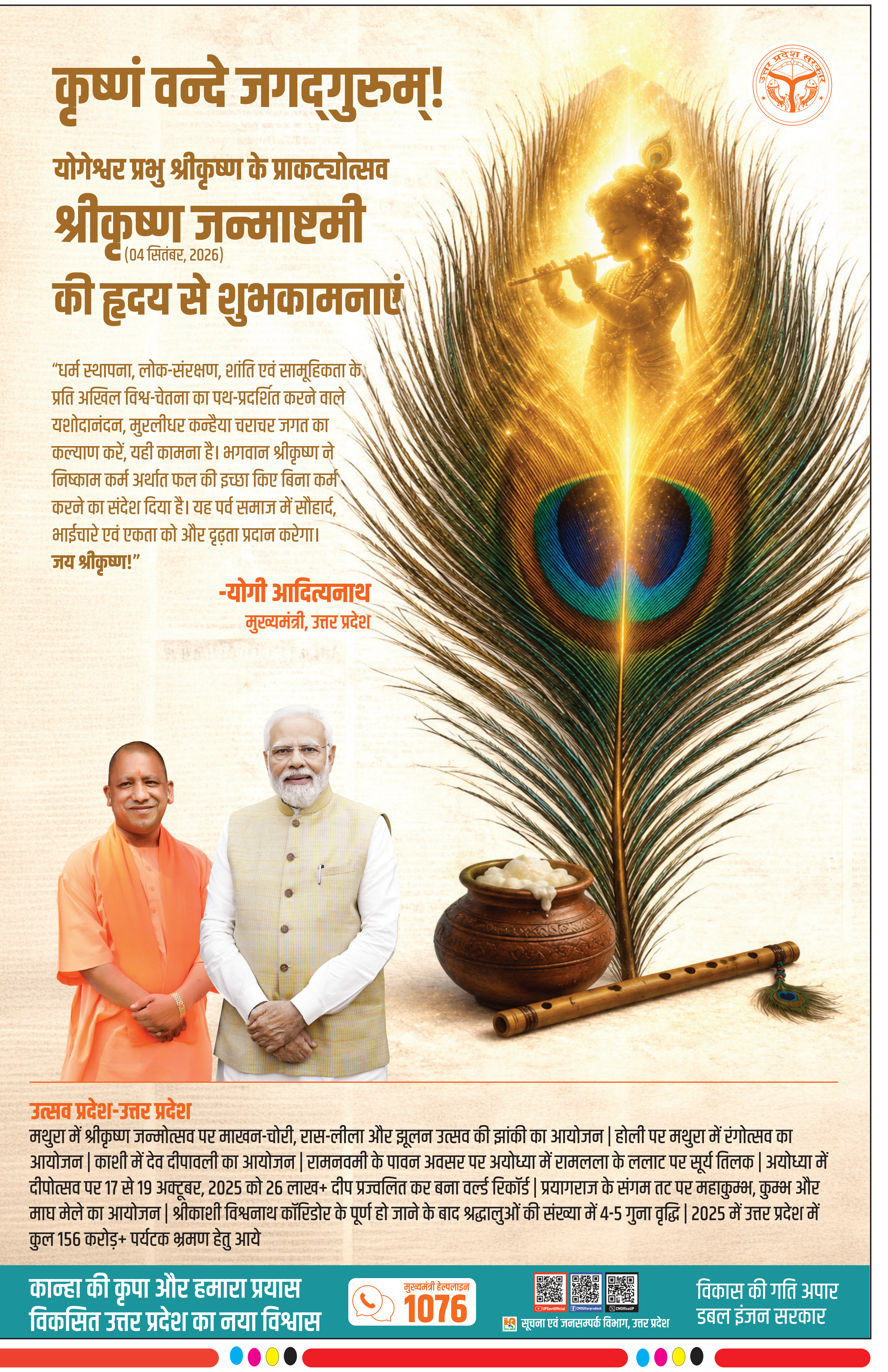

## सायोनी घोष की तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात, राजनीतिक हलचल तेज

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में सायोनी घोष की सीएम विजय से मुलाकात से भाजपा-टीएमसी के कान खड़े हो गए हैं. चेन्नई में तृणमूल कांग्रेस की बागी सांसद सायोनी घोष ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से मुलाकात की है । दोनों के बीच हुई इस मुलाकात के बाद पश्चिम बंगाल दिल्ली से लेकर तमिलनाडु तक राजनीतिक हलचलें तेज हो गई है। सायोनी घोष ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए विजय के सुशासन, समावेशी विकास और तमिलनाडु के भविष्य को लेकर उनके विजन की तारीफ की है । उन्होंने विजय की पश्चिम बंगाल की संस्कृति और परंपराओं के प्रति रुचि का भी उल्लेख किया। सायोनी घोष के हालिया राजनीतिक रुख को देखते हुए इस मुलाकात को महज शिष्टाचार भेंट मानने को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा और टीएमसी दोनों ही इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। हालांकि मुलाकात में किसी राजनीतिक गठजोड़ या भविष्य की रणनीति की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. बदले हुये राजनीतिक समीकरणों के बीच इस मुलाकात ने अटकलों को जरूर हवा दे दी है।

## कीटनाशक बन रहा मौत का बड़ा कारण, हर साल 11000 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीटनाशकों के जहरीले प्रभाव को लेकर सामने आई नई वैश्विक रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। अध्ययन के मुताबिक दुनिया में हर साल करीब 11 हजार लोगों की मौत अनजाने में कीटनाशकों के संपर्क या विषाक्तता होने से होती है। इनमें लगभग 60 प्रतिशत मौतें भारत में होने का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल करीब 40.2 से 43.3 करोड़ किसान और कृषि श्रमिक कीटनाशक विषाक्तता से प्रभावित होते हैं। दक्षिण एशिया इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में है। विशेषज्ञों ने अत्यधिक जहरीले कीटनाशकों के इस्तेमाल पर नियंत्रण, किसानों को सुरक्षा प्रशिक्षण और सुरक्षित कृषि विकल्प उपलब्ध कराने की जरूरत बताई है। हालांकि, 60 प्रतिशत का आंकड़ा कुल भारतीय मौतों का नहीं, बल्कि अनुमानित वैश्विक कीटनाशक-विषाक्तता मौतों में भारत की हिस्सेदारी का है।

## दो शिक्षकों ने 12 छात्राओं के साथ किया दुष्कर्म, अश्लील वीडियो भी बनाया

बक्सर (एजेंसी)। बिहार के बक्सर जिले से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। डुमरांव प्रखंड के एक मध्य विद्यालय में दो शिक्षकों पर करीब 12 नाबालिग छात्राओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। आरोपी शिक्षकों ने छात्राओं को हवस का शिकार बनाने के साथ-साथ उनका अश्लील वीडियो भी बनाया। यह शर्मनाक हरकत पिछले कई दिनों से चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीन दिन पहले जब यह अश्लील वीडियो इंटरनेट और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो परिजनों और ग्रामीणों को घटना की जानकारी लगी। वीडियो सामने आते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। मामले का संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। विभाग ने दोनों आरोपी शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार की देर रात तक बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने के बाहर जमा हो गए और आरोपी शिक्षकों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों और ग्रामीणों से लिखित आवेदन ले लिया गया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्रभारी डीएसपी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम अलग-अलग जगहों पर छापे मार रही है। बक्सर के एसपी ने घटना को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## टीएमसी दफ्तर में तोड़फोड़ का आरोप- अभिषेक ने बीजेपी को घेरा, पुलिस पर उठाए सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित अपनी पार्टी कार्यालय में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4-30 बजे दफ्तर में घुसे। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि हथियारों से लैस इन हमलावरों ने कार्यालय के कर्मचारियों से मारपीट की, उनके फोन छीन लिए, फर्नीचर तोड़ दिया, दफ्तर में पूरा सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भारी नुकसान पहुँचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एयर प्यूरिफायर, प्रिंटर और टीवी जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी किए गए।
टीएमसी अभिषेक बनर्जी के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह वहीं टीएमसी कार्यालय है जो कुछ दिन पहले भी विवादों में था। 31 अगस्त को कोलकाता नगर निगम ने पुलिस की मौजूदगी में इस इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। उस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में अभिषेक सहित 3 टीएमसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर 13 लोगों को गिरफ्तार किया था।

# सिंधु जल संधि पर भारत का रुख सख्त, पाक की अंतर्राष्ट्रीय कोशिशें बेअसर

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जारी विवाद अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी मुखर हो रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत ने अपना कड़ा रुख बरकरार रखा है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच पर इस विषय को उठाकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि उनकी यह कोशिश कोई खास कामयाब नहीं हुई।
अपने संबोधन में पीएम शहबाज शरीफ ने पानी को क्षेत्र की जीवनरेखा बताया और इस बात पर जोर दिया कि पानी को राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और साझा जल संसाधनों को लेकर देशों के बीच सहयोग होना चाहिए। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान करने की अपील करते

हुए कहा कि समझौतों को उनकी भावना और शब्दों के मुताबिक लागू किया जाना चाहिए। पाकिस्तान की इस अपील को भारत के साथ चल रहे सिंधु जल संधि विवाद से सीधे तौर पर जोड़कर देखा जा रहा है। पाकिस्तान लगातार यह दावा करता रहा है कि 1960 की सिंधु जल संधि दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे का आधार है और इसे लागू किया जाना चाहिए। भारत ने यह कड़ा कदम अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद उठाया था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। तब से भारत अपने इस रुख पर अडिग है कि आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई के बिना पाकिस्तान से किसी भी तरह की बातचीत संभव नहीं है और सिंधु का पानी रुका रहेगा। शहबाज शरीफ की बातों से स्पष्ट संकेत मिल रहा था कि भारत का दांव बिल्कुल सही पड़ा है और पाकिस्तान अपने किए की सजा भुगत रहा है। विवाद के एक अन्य पहलू में हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का फैसला भी शामिल है, जिसने सिंधु जल संधि को कानूनी रूप से लागू माना और संधि के तहत विवाद निपटान प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात कही। पाकिस्तान ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे अपनी जीत के तौर पर पेश किया है। हालांकि, भारत ने पूरी कार्यवाही को मानने से साफ इंकार किया है। भारत का कहना है कि यह ट्रिब्यूनल अवैध रूप से गठित किया गया है और उसे भारत पर कोई अधिकार क्षेत्र हासिल नहीं है। इस मामले में भारत का रुख साफ है कि उसके हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और उनसे जुड़े फैसले किसी ऐसे ट्रिब्यूनल के आदेश से प्रभावित नहीं होंगे, जिसे वह खुद मान्यता ही नहीं देता।

## सीएम मान का दावा : कृषि कानूनों की वापसी पर भाजपा-शिअद गठबंधन!

संगरूर (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बड़ा दावा कर कहा कि भाजपा शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ गठबंधन की तैयारी में है। वहीं इस समझौते की शर्त तीनों ''काले'' कृषि कानूनों को वापस लाना है। सीएम मान ने आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित अकाली-भाजपा गठबंधन केवल ''राजनीतिक फायदे'' के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिअद सत्ता हासिल करने के लिए ''पंजाब में कुछ भी बेचने'' को तैयार है और सीएम मान ने दावा किया कि पंजाबी कभी भाजपा को वोट नहीं देने वाले हैं। जो वोट हासिल करने के लिए सांप्रदायिक विभाजन का इस्तेमाल करती है।
मुख्यमंत्री मान ने दोनों दलों के बीच कथित ''गठजोड़'' का प्रमाण पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जीत को बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव में अकाली दल के छात्र संगठन 'स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया' (एसओआई) ने एबीवीपी का समर्थन किया था, जिससे उनके बीच की मिलीभगत उजागर हुई।
संगरूर में जनसभा को संबोधित कर सीएम मान ने लोगों को आगाह किया कि अकाली दल हमेशा पंजाब के हितों के खिलाफ काम करने वाली ताकतों से हाथ मिलाकर ''पंजाब विरोधी'' रुख अपनाती रही है। उन्होंने चेताया कि अगर यह अकाली-भाजपा गठबंधन सत्ता में आता है, तब वह किसानों पर एक बार फिर ''कठोर'' कृषि कानून थोप सकता है।

## पंजाब वोटर लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम कटा, आप को ठहराया जिम्मेदार

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम पंजाब की वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। पंजाब में ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद से इस मामले पर राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। चड्ढा ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर बदले की कार्रवाई के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, आप ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि एसआईआर का संचालन चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा 13 अगस्त को जारी की गई ड्राफ्ट लिस्ट में चड्ढा का नाम एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट) श्रेणी में दर्शाया गया था। उनके स्टेटस के आगे स्थायी रूप से स्थानांतरित लिखा हुआ था, जिसका अर्थ है कि वे किसी अन्य जगह पर चले गए हैं। हालांकि, ड्राफ्ट से हटाए गए नामों को दोबारा सूची में शामिल करने का प्रावधान है, और 13 अगस्त से 12 सितंबर तक यह प्रक्रिया जारी है। एसआईआर के बाद पंजाब की अंतिम मतदाता सूची 12 अक्टूबर को जारी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में एसआईआर के माध्यम से 13 करोड़ से अधिक नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए हैं। राघव चड्ढा ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आप सरकार द्वारा बदले की राजनीति का एक नया स्तर बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे पंजाब से राज्यसभा के मौजूदा सांसद हैं और उनका वोटर आईडी मोहाली में पंजीकृत है, तब भी उनका नाम स्थानांतरित (शिफ्टेड) दिखाया गया है। चड्ढा के अनुसार, यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें शिफ्टेड किसने बताया और इसका सत्यापन किसने किया? उनके मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में शामिल सभी प्रशासनिक स्तरों पर, बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) से लेकर पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी तक, पंजाब सरकार के अधिकारी ही तैनात हैं। चड्ढा ने कहा कि ये अधिकारी अच्छी तरह जानते हैं कि चुनाव ड्यूटी के बाद आप सरकार उनके स्थानांतरण, पोस्टिंग और करियर को नियंत्रित करती है, और कौन उनका जीवन मुश्किल बना सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार राजनीतिक बदला लेने के लिए राज्य के अधिकारियों पर दबाव डालती है।

## कांग्रेस ने खाद्य सुरक्षा और गरीबों की स्थिति सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाई

### -खड़गे ने केंद्र पर साधा निशान कहा- इस सरकार क्या का योगदान है

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों का जीवन बेहतर बनाने में इस सरकार का योगदान क्या है, जबकि कांग्रेस की सरकारों ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गरीबों की स्थिति सुधारने के लिए निर्णायक भूमिका निभाई। खड़गे ने 'डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी पुरस्कार-2026 समारोह को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह पुरस्कार कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन के नाम पर स्थापित संस्था 'एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन' को दिया गया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि इंदिरा गांधी ने हरित क्रांति के जरिए भूख के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जबकि सोनिया गांधी के प्रयासों से देश में खाद्य सुरक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए कानून आया। उन्होंने कहा कि 1960-61 से 1980-81 के बीच चावल का उत्पादन 3.46 करोड़ टन से बढ़कर 5.36 करोड़ टन और गेहूं का उत्पादन 1.1 करोड़ टन से बढ़कर 3.63 करोड़ टन हो गया। खड़गे का कहना था कि हरित क्रांति ने भारत को ÷अनाज के कटोरे÷ में बदलने में अहम भूमिका निभाई।
उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार की उपलब्धि है, लेकिन मौजूदा सरकार की उपलब्धि क्या है, मोदीजी की उपलब्धि क्या है?÷ खड़गे ने कहा कि जब भारत खाद्यान्न की कमी और अकाल से जूझ रहा था, तब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हरित क्रांति को सरकार की प्राथमिकता बनाया गया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन का योगदान इस बदलाव में अहम था। उन्होंने स्वामीनाथन के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं थी, बल्कि किसानों तक सिंचाई, बिजली, बेहतर बीज, उर्वरक, ऋण और प्रभावी कृषि विस्तार सेवाएं पहुंचाना भी जरूरी था।

खड़गे ने आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी के योगदान को भी याद किया और कहा कि राजशेखर रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में ÷ईंट-ईंट जोड़कर÷ कांग्रेस को खड़ा किया और पार्टी के मुश्किल दौर में उसे मजबूत किया। उन्होंने कहा कि 2004 में सीएमए बनने से पहले राजशेखर रेड्डी ने भीषण गर्मी में 1,400 किलोमीटर से ज्यादा की पदयात्रा की और लोगों से सीधे संवाद किया। उनका मानना था कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों को ÷गरिमा, सुरक्षा और अवसर÷ देना है। उन्होंने कहा कि राजशेखर रेड्डी और स्वामीनाथन की सोच में समानता थी कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी किसान या गरीब परिवार को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।
बता दें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजशेखर रेड्डी 2004 से 2009 तक आंध्र प्रदेश के सीएम रहे। 2009 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनका निधन हो गया। उनके निधन के बाद उनके पुत्र वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने कांग्रेस छोड़कर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी बनाई और बाद में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उनकी पुत्री वाईएस शर्मिला वर्तमान में आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष हैं। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

## मानसून का कहर : बिहार में गंगा उफान पर, यूपी में घर बहे, हिमाचल में सड़कें बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। बिहार, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बाढ़, भूस्खलन और मकान ढहने की घटनाओं से भारी तबाही मची है। जहां बिहार में गंगा नदी खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है, जिससे राज्य के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और आठ नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है। बीते दो दिनों से हो रही रुक-रुककर बारिश ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। वहीं उत्तर प्रदेश में भी नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे बसे 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि कुल 2,910 लोग विस्थापित हुए हैं। जिला प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए 36 नावें लगाई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की है। फतेहपुर जिले में बीते 15 दिनों की लगातार बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले में अब तक 67 मकान ढह गए हैं और बारिश संबंधी घटनाओं में तीन लोगों की जान गई है। सर्वाधिक नुकसान खागा तहसील में हुआ है, जहां 50 मकान तबाह हुए हैं। शहरी इलाकों में भी भीषण जलभराव है, जहां पंप लगाकर पानी निकालने का काम जारी है ताकि आवाजाही सामान्य हो सके। प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और अब तक 11 परिवारों को सहायता राशि मिल चुकी है। वहीं पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी बुधवार रात हुई तेज बारिश के बाद भूस्खलन से 175 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिरने से कई वाहन रातभर फंसे रहे, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

## राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ की नियुक्ति पर छिड़ी सियासी बहस

**अयोध्या, एजेंसी।**
श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने हाल ही में सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के तुरंत बाद, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने एक बड़ा और विवादास्पद बयान दिया है, जिसने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। मसूद ने अपनी प्रतिक्रिया में साफ तौर पर कहा कि मंदिर से जुड़े कार्यों को केवल उन्हीं लोगों को सौंपा जाना चाहिए जिनका संबंध सीधे तौर पर मंदिर और उसकी परंपराओं से हो। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को अब राम मंदिर परियोजना में वित्तीय हित नजर आ रहा है, जिसके कारण वे इसे लालच की नजरों से देख रहे हैं।
कांग्रेस नेता ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, यह काम साधु-संतों का है, मंदिर

से जुड़े लोगों का है। लेकिन अब एक एयर मार्शल, जो हवाई जहाज उड़ाते हैं, वे आरएसएस के जाल में फंस गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी पूछा कि क्या उन्हें भी आखिर में बेइज्ज़त करके निकाल दिया जाएगा? यह कैसा तमाशा है? मसूद ने दोहराया कि मंदिर के प्रबंधन और संचालन का कार्य उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो आध्यात्मिक रूप से इससे जुड़े हों, न कि उन पर जो बाहरी पृष्ठभूमि से आते हैं। उनके बयान में आरएसएस पर मंदिर निर्माण को एक व्यावसायिक उद्यम के रूप में देखने का आरोप स्पष्ट रूप से झलकता है, जहां धन का प्रवाह उनके लिए एक प्राथमिक प्रेरणा बन गया है। इसी प्रेस वार्ता के दौरान, इमरान मसूद ने जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को लगातार मिल रही धमकियों और हमलों पर भी अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे को आगामी चुनावों से जोड़ते हुए कहा, चुनाव आने वाले हैं और हमला भी हो सकता है। मसूद ने आगे कहा कि आतंकवादी हमले, धमकियां और नफ़रत फैलाना, ये सब चुनाव के समय ही सामने आते हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि इससे फ़ायदा किसे होता है? जिसे फ़ायदा होता है, वही इसके लिए जिम्मेदार होता है। यह बयान मौजूदा सरकार और उसकी नीतियों पर एक परोक्ष निशाना था, जिसमें उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी घटनाओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

## मनोज जरांगे का अनशन जारी- स्वास्थ्य के लिए पानी और सलाइन पर सहमति

**मुंबई, एजेंसी।**
महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महायुति सरकार की ओर से मिलने पहुंचे भाजपा विधायक प्रसाद लाड के आग्रह के बाद पानी पीने और सलाइन चढ़वाने पर सहमति जाहिर की है। हालांकि, जरांगे ने स्पष्ट किया कि उनकी सभी मांगें पूरी होने तक उनका अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा। मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर उनकी भूख हड़ताल को 6 दिन हो गए है। जालना जिले के अंतरवाली सराटी में 29 अगस्त को शुरू हुआ जरांगे का अनशन मराठाओं के लिए आरक्षण और गजट रिकॉर्ड के आधार पर तुरंत कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने सहित कई महत्वपूर्ण मांगों पर केंद्रित है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तब आंदोलन को और तेज किया जाएगा और मुंबई तक ले जाया जाएगा। जरांगे ने कहा, मैं पानी पी रहा हूं और सलाइन चढ़वा रहा हूं, लेकिन जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, मैं अनशन वापस नहीं लूंगा। उन्होंने दावा किया कि मराठाओं और कुनबियों के बीच वंशावली संबंध स्थापित करने वाले 58 लाख रिकॉर्ड मिले हैं, जिस संख्या को सरकार कम करने की कोशिश कर रही है। चिकित्सकों ने जरांगे के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता जाहिर की है, जहां उनके रक्त शर्करा का स्तर गिरा है। जालना की जिलाधिकारी आशिमा मित्तल ने जंरागे से मुलाकात कर अनशन समाप्त करने की अपील की थी, लेकिन जरांगे ने सरकारी पक्ष को सुनने से इंकार कर कहा कि इस मुद्दे से जुड़े फैसले राज्य स्तर पर लिए जाने हैं। उन्होंने भाजपा नीत राज्य सरकार की आलोचना कर दावा किया कि मराठा आरक्षण का मुद्दा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच श्रेय लेने की राजनीतिक खींचतान में फंस गया है। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री ने पूर्व में बयान दिए हैं। सीएम फडणवीस ने कहा था कि सरकार संवैधानिक रूप से वैध और कानूनी तौर पर व्यावहारिक मांगों पर चर्चा के लिए तैयार है, जबकि शिंदे ने मराठा समुदाय को किसी अन्य वर्ग के साथ अन्याय किए बिना न्याय दिलाने की बात कही थी। जरांगे ने बीते साल भी 29 अगस्त को ऐसा ही विरोध प्रदर्शन किया था, जो कि दो सितंबर को कुछ मांगें माने जाने के बाद वापस ले लिया गया था, लेकिन अब यह मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है।

## उत्तर प्रदेश 2027: विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा, दल बुन रहे रणनीति

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने अभी से अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बैठी है, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अपनी खोई हुई जमीन को फिर से मजबूत करने में जुटी है। वहीं, कांग्रेस भी जन-मुद्दों को लेकर आक्रामक तेवर दिखा रही है।
भाजपा की रणनीति मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर आधारित है- मजबूत बूथ प्रबंधन, लाभार्थी वर्ग को सशक्त करना और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यापक दौरे। पार्टी अपने पुराने और सफल बूथ जीतो, चुनाव जीतो के फॉर्मूले पर काम कर रही है, जिसके तहत बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। सरकार महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और छात्राओं को स्कूटी जैसी घोषणाओं के जरिए लाभार्थी वर्ग को और मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं जिलेवार दौरे कर सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश कर रहे हैं। युवाओं को साधने के लिए पार्टी ने सेवा संकल्प अभियान में युवा केंद्रित कार्यक्रमों को शामिल किया है।बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 2022 के प्रदर्शन से बेहतर नतीजों और लगातार तीसरी जीत का दावा किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी 403 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन पूरे कर चुकी है और अब भौतिक सत्यापन पर जोर दे रही है। चौधरी का कहना है कि जहां विपक्षी दल अभी तैयारी शुरू कर रहे हैं, वहीं बीजेपी अंतिम चरण में है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनडीए का कुनबा, जिसमें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, निषाद पार्टी और अपना दल शामिल हैं, पूरी तरह एकजुट है और सहयोगियों को सम्मानजनक सीटें दी जाएंगी। 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा संकल्प अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियों, जैसे कानून-व्यवस्था की बेहतर स्थिति, सुगम कनेक्टिविटी और लगातार बिजली आपूर्ति को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा।अपने राजनीतिक करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही बहुजन समाज पार्टी इस बार बेहद सतर्कता के साथ अपनी रणनीति बुन रही है। पार्टी का मुख्य ध्यान अपने पारंपरिक वोट बैंक को सहेजने और नए सामाजिक समीकरण बनाने पर है। बीएसपी सुप्रीमो मायावती अपने कैडर को बीजेपी और अन्य विपक्षी दलों के लुभावने वादों से दूर रहने की लगातार नसीहत दे रही हैं। पार्टी राज्य में रणनीतिक सर्वे करा रही है और संभावित प्रत्याशियों के साथ लगातार बैठकें जारी हैं। युवाओं को पार्टी से जोड़ने का महत्वपूर्ण जिम्मा आकाश आनंद के कंधों पर है। बीएसपी अपने पुराने सोशल इंजीनियरिंग के मॉडल को नए अंदाज में लागू कर अपने वोट बैंक का दायरा बढ़ाना चाहती है।

## रोडवेज बसों में फ्री में सफर करने के लिए फिलहाल स्मार्ट कार्ड की जरूरत नहीं

लखनऊ। 60 साल या इससे अधिक उम्र की महिलाओं को रोडवेज की साधारण बसों में मुफ्त यात्रा के लिए अब स्मार्ट कार्ड का इंतजार नहीं करना होगा। पात्र महिलाएं आधार कार्ड या वोटर आईडी में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर योजना का लाभ ले सकेंगी। लोकमाता अहिल्याबाई मातृ शक्ति यात्रा योजना के तहत यह सुविधा 28 अगस्त से शुरू की गई है। परिवहन के विभाग के अधिकारियों के मुताबिक यात्रा के दौरान महिला यात्री को परिचालक को आधार या वोटर आईडी दिखाना होगा। परिचालक दस्तावेज में दर्ज जन्मतिथि से उम्र की पुष्टि करेगा। इसके बाद ईटीआईएम मशीन से शून्य मूल्य का टिकट जारी किया जाएगा। महिला यात्री से इसके लिए कोई किराया नहीं लिया जाएगा। टिकट में बस संख्या, यात्रा शुरू करने और गंतव्य स्थान समेत अन्य जानकारी दर्ज होगी। यह सुविधा उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की अपनी और अनुबंधित दोनों तरह की साधारण बसों में मिलेगी। प्रत्येक मुफ्त यात्रा का शून्य मूल्य का टिकट जारी करना अनिवार्य होगा। इससे सभी यात्राओं का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। यह रिकॉर्ड एमआईएस और क्लाउड आधारित डाटा सर्वर पर सुरक्षित रहेगा। इससे योजना में पारदर्शिता बनाए रखने और यात्रा के आंकड़ों की निगरानी में मदद मिलेगी। परिवहन निगम पात्र महिलाओं के लिए विशेष स्मार्ट कार्ड जारी करने की प्रक्रिया भी अलग से करेगा। हालांकि, फिलहाल स्मार्ट कार्ड अनिवार्य नहीं है। निगम ने परिचालकों को योजना की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। पात्र महिला से किराया मांगने या वसूलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्रीय अधिकारी और डिपो प्रभारी योजना की नियमित निगरानी करेंगे।

### यातायात पुलिसकर्मी की पिटाई, बीच रोड पर फाड़ी वर्दी, मुंह में मारे दनादन घूंसे

मैनपुरी। मैनपुरी के व्यस्ततम अटल चौक शीतला माता मंदिर के पास शनिवार सुबह ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी को बिना नंबर की बाइक रोकना महंगा पड़ गया। युवक ने बीच सड़क पर ही वर्दीवाले की पिटाई शुरू कर दी। उसमे मुंह पर घूंसे बरसा दिए। इस दौरान लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया, जो वायरल हो रहा है। हमलावरों ने आरक्षी का गला दबाने की कोशिश की। मौके पर पहुंचे यूपी-112 के पुलिसकर्मियों ने तीन हमलावरों को मौके से पकड़ लिया। कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के बाद भागे हुए हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

# मलबे में दबी चीखें, खून से सने मजदूर, तीन की मौके पर ही मौतग

मथुरा। वृंदावन के निर्माणाधीन ओमेक्स कोर्टयार्ड मॉल में शुक्रवार सुबह हुए हादसे ने सिर्फ शटरिंग की मजबूती ही नहीं, बल्कि निर्माण स्थल पर आपातकालीन व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस परिसर में 250 से अधिक मजदूर काम कर रहे हैं, वहां हादसे के बाद घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए वाहन की व्यवस्था भी नहीं थी। मलबे में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के बाद अस्पताल पहुंचाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मजदूरों के मुताबिक निर्माणाधीन मॉल में पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, असम और नेपाल के करीब 250 मजदूर काम कर रहे हैं। इनमें से कई मजदूर निर्माण स्थल के आसपास टिन की झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं। शुक्रवार सुबह छत की ढलाई के दौरान शटरिंग गिरने से चार मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद साथी मजदूरों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला गया। मजदूरों के अनुसार, घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए वाहन की तलाश करते रहे। फिर कंपनी के एक कर्मचारी की गाड़ी से मजूदरों को संयुक्त जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। सरकारी एंबुलेस तब तक नहीं आई थी। मजदूरों का कहना है कि इतने बड़े निर्माण स्थल पर आपात स्थिति में घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए अलग से वाहन की व्यवस्था होनी चाहिए। मजदूरों ने कहा कि हादसे में यदि चार से ज्यादा संख्या में मजदूर घायल होते तो परेशानी बढ़ जाती। निर्माण स्थल पर काम करने वाले मजदूरों के लिए आसपास टिन की झोपड़ियां बनाई गई हैं। दूर-दराज के राज्यों और नेपाल से आए मजदूर यहीं रहकर काम कर रहे हैं। ऐसे में निर्माण स्थल पर काम के साथ-साथ उनके रहने की जगह पर भी सुरक्षा और आपातकालीन सुविधाओं की उपलब्धता अहम हो जाती है। इमारत के निर्माण कार्य को सहारनपुर की कंपनी वीकेजी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड देख रही है। हादसे के बाद कंपनी की ओर से अधिकारी भी वृंदावन पहुंच गए थे। वृंदावन के रुक्मिणी विहार स्थित ओमेक्स कोर्टयार्ड मॉल परिसर में शुक्रवार सुबह निर्माणाधीन वृंदावन कोर्टयार्ड इमारत में चौथी मंजिल पर छत और छज्जे की ढलाई के दौरान अचानक शटरिंग नीचे गिर गई। शटरिंग के मलबे के साथ चार मजदूर भी चौथी मंजिल से नीचे आ गिरे, जिनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल एक मजदूर को आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी, एसएसपी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घायल को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। सीओ सदर वरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि हादसे में पश्चिम बंगाल के सीताही कूच बिहार निवासी रफ्यूल (28) पुत्र मजिदुल, आलम (30) पुत्र सोहले मियां और नेपाल के कैलाली, सिमरी जोशीपुर निवासी शिवराम (42) पुत्र भाई लाल की मौत हो गई। जबकि पश्चिम बंगाल के कूच बिहार निवासी दिलदार (45) पुत्र कौशाम्बिया गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। साइट पर नाइट शिफ्ट में काम चल रहा था। सुबह करीब साढ़े छह बजे चौथी मंजिल की छत की ढलाई के दौरान अचानक शटरिंग का बड़ा हिस्सा नीचे गिर गया। मलबे में चार मजदूर भी गिर गए। घटना के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। हादसे में शिवराम की मौके पर ही मौत हो गई। जैसे ही उनके शव को बाहर निकाला तो परिजन में कोहराम मच गया। शिवराम यहां अपनी पत्नी चंद्रपति, बेटी पूर्णिमा, भतीजी ज्योति, मनीषा और उसके पति अरुण के साथ रह रहा था। अरुण भी उस दौरान उवके साथ काम कर रहा था। वह कुछ देर पहले ही शौचालय के लिए उतरकर आ गया था, लेकिन हादसे के बाद परिजन का बुरा हाल हो गया। निर्माण कंपनी पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही का आरोप लगाते हुए पीडित परिवार के लिए 50 लाख रुपये के मुआवजे की मांग करने लगे। उन्होंने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। हालांकि पुलिस ने जब परिजन को समझाया तो वह राजी हो गए। निर्माणाधीन ओमेक्स कोर्टयार्ड मॉल में शुक्रवार सुबह चल रहा निर्माण कार्य अचानक चीख-पुकार में बदल गया। कुछ मिनट पहले जहां मजदूर निर्माण कार्य में जुटे थे, वहीं अचानक हादसे के बाद अफरातफरी मच गई। साथी मजदूर और आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन भारी मलबे के कारण फंसे लोगों को बाहर निकालना आसान नहीं था। लोगों के सामने ही उनके अपने तीन साथियों की मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक के परिजन रोते हुए बोले कि वे रोजी रोटी कमाने के लिए आए थे, लेकिन कमाने वाला ही हादसे में चला गया। मजदूर अरुण का कहना है कि उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि कुछ ही पलों में हादसा साथ काम करने वाले चचिया ससुर की जिंदगी छीन लेगा।

# डेढ़ साल में बेटा बना करोड़पति: जालसाजों का आर्थिक साम्राज्य देख पुलिस भी हैरान; पूरी कहानी

झांसी। झांसी में साइबर ठगी करने वाले गिरोह के भंडाफोड़ के बाद इसमें शामिल आरोपियों के आर्थिक साम्राज्य को देख पुलिस अफसर भी हैरान रह गए। पूछताछ में मालूम चला कि गिरोह के मास्टरमाइंड अरमान करोड़ों रुपये का मालिक है, जबकि पिछले साल तक उसके पिता ऑटो चलाते थे। एक साल पहले वह गढिया फाटक में एक छोटे मकान में परिवार के साथ रहता था। साइबर जालसाजों के संपर्क में आने के बाद से उसके रहन-सहन में तेजी से बदलाव आया। कुछ महीनों में प्रेमनगर इलाके में दो फ्लैट ले लिए। झांसी के पॉश इलाके में भी घर खरीद लिया। अब वह लग्जरी कार से चलता है। अदनाम अपना गेमिंग पैनल भी चलाता था, इसकी आड़ में वह म्यूल खाते लेता था। पुलिस को उसके कई सारे बैंक खातों को खंगालने पर अरमान के पास ही करीब 20 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली। पुलिस का कहना है कि पिछले महीने ही हर तीन दिन में उसके खाते में 6.75 लाख रुपये क्रेडिट हो रहे थे। अरमान ने ही गिरोह में सत्यम, अदनाम, आदिल, जान पाल, अभिषेक और अर्चित को जोड़ा। इसमें इनमें सबके काम बंटे हुए थे। सत्यम उसका सबसे करीबी था। उसके जिम्मे ही अंतिम तौर पर डेबिट कार्ड से पैसा निकालने का होता था। गिरोह के भंडाफोड़ होने के वह भाग निकला वहीं, गिरोह के अन्य सदस्य भी शाही अंदाज के साथ रहते थे। खाती बाबा निवासी अर्श एवं मो. फैज भी यूएसटीडी बदलने में माहिर थे। इस वजह से अरमान ने इन दोनों को अपने गिरोह में शामिल किया हुआ था। आदिल और अदनान पहले भी सट्टे के आरोप में जेल जा चुके। साइबर जालसाज क्रिप्टो करेंसी के तौर पर सबसे अधिक यूएसडीटी का इस्तेमाल करते हैं। साइबर विशेषज्ञों के मुताबिक यूएसडीटी कई खूबियों की वजह से साइबर जालसाजों द्वारा पसंद किया जाता है। इसके जरिये न सिर्फ तेजी से पैसा ट्रांसफर किया जा सकता है, बल्कि अलग-अलग देशों के वॉलेट में भी इसे भेजना सबसे अधिक आसान है। लेनदेन के लिए पारंपरिक बैंक खाते की भी जरूरत नहीं पड़ती। ठग अपने असली नाम के बजाय अलग-अलग क्रिप्टो वॉलेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह भी है कि जालसाज एक के बाद एक जल्दी से रकम को आगे भेजते जाते हैं, इस वजह से स्रोत का पता लगा पाना पुलिस के लिए भी आसान नहीं रह जाता। इसकी कीमत भी डॉलर के करीब स्थित रहती है, जबकि बिट कॉइन जैसी क्रिप्टो अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली मुद्रा होती है। इस वजह से इसमें खतरा भी कम रहता है। पिछली माह पकड़े गए साइबर जालसाज भी यूएसडीटी में ही पैसों को बदलते थे। इसके लिए यूमनी नामक एप का इस्तेमाल करते थे। प्रेमनगर पुलिस ने ही मई महीने में चाइनीज गेमिंग का सर्वर हैंक करके करोड़ों रुपये की ठगी का भंडाफोड़ किया था। इनमें भी पकड़े गए सभी आरोपी प्रेमनगर के ही रहने वाले थे। ऐसे में आशंका जताई जा रही कि अरमान के गैंग के सहारे ही यह जालसाज भी करोड़ों रुपये खपाने का काम करते थे। पुलिस इनके आपसी तार भी खंगालने में जुटी है। प्रेमनगर पुलिस ने प्रेमनगर पुलिस ने 27 मई को प्रेमनगर के स्कूलपुरा मोहल्ला निवासी रागिब अहमद को गिरफ्तार करके गिरोह का भंडाफोड़ किया था। इस गिरोह के लोग चाइनीज गेमिंग वेबसाइट के पेमेंट सर्वर को हैक करके उसका पैसा अपने खातों में ट्रांसफर कराते थे। गिरोह के साथ मिशन कंपाउंड निवासी सनी अमराया, पानी की टंकी निवासी सोहिल खान, नगरा निवासी अनुभव सिंह, ईसाई टोला निवासी दानिश खान, महावीरन निवासी सौरभ विश्वकर्मा एवं सुमेर नगर निवासी देवेश कुमार को गिरफ्तार किया था जबकि पुलिस हर्ष एवं सलाम को पुलिस अभी तक तलाश कर रही है। दोनों ही गिरोह के अधिकांश सदस्य एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि दूसरे सर्वर हैक करके उससे भी इन जालसाजों ने उगाही की। पुलिस इसको भी खंगालने में जुटी है। करोड़ों रुपये खपाने वाले साइबर जालसाज इसके लिए म्यूल खातों का इस्तेमाल करते थे। यह सारे म्यूल खाते प्रेमनगर के गढिया गांव, ईसाई टोला, सुम्मेर नगर आदि इलाकों के लोगों के खोले गए। पुलिस को अभी तक 114 म्यूल खातों का पता चला है। इसके जरिए ही जालसाजी की रकम को मंगवाया जाता था। साइबर फ्रॉड की रकम को निकालकर उसे यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) में बदलने वाले गिरोह का प्रेमनगर पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए शुक्रवार को छह जालसाज गिरफ्तार कर लिए, जबकि तीन आरोपी अभी वांछित हैं। छानबीन में मालूम चला कि 56 बैंक खातों में साइबर ठगी करके करीब 403 करोड़ रुपये जमा कराए गए। इनमें झांसी में ही 35 बैंक खाते पाए गए, इनका संचालन गिरफ्तार आरोपी कर रहे थे। पुलिस ने इनसे मिले 500 यूएसडीटी सीज कराने के साथ ही सात मोबाइल फोन, डायरी भी बरामद की है। प्रेमनगर थाने में नौ आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई। पुलिस वांछितों को तलाश रही है। एसपी (साइबर) अरीबा नोमान के मुताबिक समन्वय पोर्टल में 325 साइबर फ्रॉड की शिकायतें की छानबीन करने पर 56 बैंक खातों का पता चला, जिनमें पैसा भेजा जाता था। करीब 403 करोड़ रुपये की मनी ट्रेल सामने आई। प्रेमनगर थाने के साइबर शाखा प्रभारी उपनिरीक्षक शिवकांत शुक्ल की टीम ने सुरागकशी करके ईसाईटोला निवासी दीपक वर्मा उर्फ सत्यम, अदनान हुसैन, आदिल हुसैन, जान पाल निवासी कृष्णानगर कॉलोनी खेरा, अभिषेक चौधरी निवासी सुम्मेर नगर और अर्चित श्रीवास्तव निवासी लहर गिर्द का पता लगाकर शुक्रवार को इनको गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मालूम चला कि गिरोह का मास्टरमाइंड गढिया फाटक निवासी अरमान है। उसके साथ ही अर्श एवं मो.फैज भी शामिल हैं। इन तीनों को पुलिस तलाश रही है। छानबीन में मालूम चला कि गिरोह के सदस्य देश भर में साइबर ठगी करने वाले गिरोहों से रकम अपने नियंत्रण वाले बैंक खातों में मंगाते थे। इसके बाद रकम को अलग-अलग माध्यमों से घुमाने के बाद उससे यूएसडीटी खरीदते थे। रकम को नंबर एक में बदलने और अपना कमीशन काटने के बाद साइबर ठगों तक रकम पहुंचाते थे।

## चित्रकूट जाने वाले यात्रियों को राहत, अब सेंट्रल से मिलेगी 24 कोच की इंटरसिटी

कानपुर। चित्रकूट धाम जाने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या और कानपुर-प्रतापगढ़ रेलखंड पर बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने चित्रकूटधाम कर्वी-कानपुर सेंट्रल और मां बेल्हा देवी धाम प्रातपगढ़-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस का विलय कर दिया गया है। अब यह सेवा 24 कोच के साथ चलेगी। सेंट्रल स्टेशन से आठ सितंबर से नए स्वरूप में ट्रेन का संचालन शुरू होगा। रेलवे के इस फैसल से ट्रेन की यात्री क्षमता पहले के मुकाबले दोगुनी हो जाएगी। अहम बात यह है कि अब प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली और लखनऊ क्षेत्र के यात्रियों को चित्रकूट धाम के लिए सीधी ट्रेन मिल सकेगी। उन्हें कानपुर सेंट्रल पर ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे ने 14109/14110 चित्रकूटधाम कर्वी-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस और 14123/14124 मां बेल्हा देवी धाम प्रातपगढ़-कानपुर सेंट्रल का विलय कर मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-चित्रकूटधाम कर्वी एक्सप्रेस चलाने की मंजूरी दी है। अभी तक 12 कोच की चलने वाली सेवा अब 24 कोच की होगी। ट्रेन संख्या 14124 चित्रकूटधाम कर्वी-मां बेल्हा देवी धाम प्रातपगढ़ सात सितंबर से नए स्वरूप में चलेगी। वहीं 14123 मां बेल्हा देवी धाम प्रातपगढ़-चित्रकूटधाम कर्वी आठ सितंबर से सुबह 11:05 बजे रवाना होगी। कानपुर के अलावा हमीरपुर रोड, सुमेरपुर, बांदा, अतर्रा समेत रास्ते के स्टेशनों से चित्रकूट जाने वाले यात्रियों को भी अतिरिक्त कोच का लाभ मिलेगा। वहीं प्रतापगढ़ और आसपास के जिलों से आने वाले यात्रियों को चित्रकूट तक सीधी रेल सेवा उपलब्ध होगी। यह ट्रेन प्रतापगढ़ से कानपुर सेंट्रल पहुंचने के बाद ट्रेन का यहां करीब डेढ़ घंटे का ठहराव होगा। इसके बाद यह चित्रकूटधाम कर्वी के लिए रवाना होगी। दिल्ली जाने के लिए यात्रियों के लिए रेलवे ने दो जोड़ी विशेष सुपरफास्ट ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। नई दिल्ली-कानपुर ट्रेन सात सितंबर से 30 नवंबर तक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को चलेगी। वहीं आनंद विहार-कानपुर ट्रेन 8 सितंबर से 29 नवंबर तक मंगलवार, बृहस्पतिवार और रविवार को संचालित होगी। रेलवे के अनुसार नई दिल्ली से ट्रेप सुबह 7:45 बजे चलकर दोपहर 1:15 बजे कानपुर पहुंचेगी। वापसी में कानपुर से दोपहर तीन बजे रवाना होकर रात 8:20 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी और दोपहर 1:15 बजे कानपुर पहुंचेगी। वापसी में रात 8:10 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। दोनों ट्रेनों में 22 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें 15 एसी थर्ड और पांच स्लीपर कोच शामिल हैं।

## बहेड़ी में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत, गांव के युवकों पर मारपीट का आरोप

बहेड़ी (बरेली)। बरेली के बहेड़ी थाना क्षेत्र के देवीपुरा बाजार के पास 21 अगस्त की रात घायल हुए 18 वर्षीय युवक सुमित कुमार की शनिवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना को लेकर परिजनों और पुलिस के बयान अलग-अलग हैं। परिजनों ने मारपीट से मौत होने का आरोप लगाया है, वहीं पुलिस ने हादसे का मामला बताया है। ग्राम देवीपुरा निवासी भूप सिंह ने बहेड़ी थाने में तहरीर दी। जिसके अनुसार 21 अगस्त को दोपहर ग्राम गरीबपुरा निवासी परमवीर, सचिन और कपिल ने उनके भाई सुमित को रोका और गाली-गलौज करने के साथ मारपीट की थी। घटना उस वक्त हुई, जब शाम को सुमित अपनी बाइक से घर लौट रहा था। देवीपुरा बाजार से करीब 100 मीटर पहले आरोपियों ने उसे रोक लिया। इसके बाद लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से उस पर हमला किया। आरोपी उसे मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायल को पहले सीएचसी बहेड़ी ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई दिनों से आईसीयू में उसका उपचार चल रहा था। शनिवार सुबह सुमित ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। बहेड़ी थाने के इंस्पेक्टर दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि हादसे में युवक घायल हुआ था। पीआरवी उसे उठाकर अस्पताल ले गई थी। उन्होंने कहा कि इसी दिन दोपहर में सुमित की दोस्तों के साथ मारपीट भी हुई थी, जिसकी तहरीर पर मुकदमा लिखा गया था। मामले की विवेचना की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### सड़क पर पड़ी मिट्टी, अनियंत्रित होकर गिरी बाइक, राखी बांधकर लौट रही महिला हुई गंभीर घायल

हाथरस। हाथरस में सादाबाद-आगरा मार्ग स्थित कुरसंडा मोड़ के पास शुक्रवार की शाम को सड़क पर पड़ी गिट्टी से एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे भाई को राखी बांधकर लौट रही बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्राम पंचायत कजरौठी के गांव गिजरौला निवासी कृष्णा देवी रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधने के बाद आगरा में अपने मायके से भाई सचिन के साथ बाइक से ससुराल गिजरौला लौट रही थीं। कुरसंडा मोड़ के पास सड़क पर पड़ी गिट्टी पर मोटरसाइकिल का पहिया आ जाने से बाइक अनियंत्रित हो गई। झटका लगने के बाद कृष्णा देवी सड़क पर गिर गईं। हादसे में उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। पीछे से आ रही डायल 112 पुलिस टीम की नजर घायल महिला पर पड़ी। पुलिसकर्मियों ने तत्काल वाहन रोककर घायल महिला की मदद की। सिर से काफी खून बहते देख पुलिसकर्मियों ने साफी से उनके सिर को बांधा। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। परिजन उन्हें आगरा के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका आईसीयू में उपचार चल रहा है। घायल महिला के पति वीरेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी के सिर में गंभीर चोट है और उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है।

### वायरल बुखार कर रहा परेशान, जोड़ों का 10 दिन बाद भी नहीं जा रहा दर्द

हापुड़। बदलते मौसम और बारिश के बाद जिले में वायरल बुखार का प्रकोप बढ़ गया है। अस्पतालों की ओपीडी में बुखार, सिरदर्द और कमजोरी के मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। कई मरीजों को बुखार ठीक होने के बाद भी जोड़ों और शरीर में दर्द की शिकायत बनी हुई है। कुछ मरीजों को 10 दिन तक जोड़ों में दर्द रह रहा है। इस कारण डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड की जांच कराई जा रही है। सरकारी अस्पतालों में हर दिन 15 से अधिक मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। भर्ती मरीजों में से केवल 50 फीसदी ही स्वस्थ हो पा रहे हैं। सीएचसी में तैनात फिजिशियन अशरफ ने बताया कि बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक वायरल की चपेट में हैं। शनिवार को करीब 120 बुखार के मरीज उपचार कराने ओपीडी आए।


**NAME CHANGE**
I, KASHIF KHAN S/o Ataur Rehman R/o B-25, Sangam Park, Rana Pratap Bagh, Delhi-110007, have changed my name to MOHD KASHIF permanently.

**NAME CHANGE**
I, ATTAUR RAHAMAN S/o Farazuddin R/o B-26, Sangam Park, Rana Pratap Bagh, Delhi-110007, have changed my name to ATAUR REHMAN permanently

**NAME CHANGE**
I, RIMMPI RANI W/o Rajesh Kumar Goyal R/o H.NO.38, Anaj Mandi, Ward No.3, Sampla (36) Rohtak, Haryana-124501, have changed my name to RIMPY permanently.

**NAME CHANGE**
I, NANCY W/O SHIVAM SEHGAL R/O NEAR MAHILA THANA H.NO-674 SEC-13/17 HUDA, PANIPAT HARYANA 132103, CHANGED MY NAME TO NANCY VOHRA.

**NAME CHANGE**
I KAJAL BAIRAGEE W/O ASHISH BAIRAGEE R/O PLOT NO -14 UPPER GROUND FLOOR, BACK SIDE BLOCK -E , GALI NO- 01, BHAGWATI GARDEN EXTN UTTAM NAGAR DELHI 110059 have changed my minior son name AMAN and shall here after be known as AMAN BAIRAGI Permanently for all future Purposes.

**NAME CHANGE**
I KALPANA W/O ISHWAR SINGH R/O D 404, TAGORE GARDEN EXTENSION DELHI 110027 have changed my name to KALPANA KAUR Permanently for all future purposes

**NAME CHANGE**
I HARISH KUMAR GAMTA S/O SHREE KUSHI DAYAL R/O H.NO 174/18A ,ADS BLOCK BHOLA NATH NAGAR DELHI 110032 have changed my name HARISH GAMTA Permanently for all future

**NAME CHANGE**
I, Museer Khan S/O MOHD Tamanar Khan R/O H NO 9, Gali No 8/7, Block-G, Sangam Vihar, Delhi 110062 have changed my name to MD Museer Khan for all future purposes

**NAME CHANGE**
I, NEHA KAUSHIK wife of No.-14667391W, Rank-HAV, Name-OM PRAKASH SHRIVASH residing at VPO-BODSARA, TEHSIL & DIST-JANJGIR-CHAMPA, CHHATTISGARH-495668, have changed my name from NEHA KAUSHIK to NEHA SHRIVASH for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, RAMILA PRAJAPATI wife of JC-709455K, Rank-NB/SUB, Name-PRAJAPATI ASHVIN KUMAR MAGANBHAI residing at VILL-DEBHARI, PO-DEBHARI, TEH-BIRPUR, DIST-MAHISAGAR, GUJARAT-388260, have changed my name from RAMILA PRAJAPATI to PRAJAPATI RAMILA for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, DIVYA P wife of No- 15751750A, Rank- L/NK, Name- PRAKASH K, residing at VPO- PALAYASIRUVANGUR, TEHSIL- SANKARAPURAM, PS- THIYAGADURUGAM, DIST-VILLUPURAM, TAMIL NADU-606206, have changed my name from DIVYA P to DIVYA V for all future purposes, vide Affidavit dated 03/09/2026, before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, NO-16023486L, Rank-HAV, Name-VIVEK SINGH residing at VPO-BIDHUNA, DIST-AURAIYA, UTTAR PRADESH-206243 have changed my wife's name from MEETU SINGH to MEETOO SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2026 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I, SHEENA KUMAR W/O SATISH KUMAR, R/O HOUSE NO.7, NANGLI RAZAPUR, HAZRAT NIZAMUDDIN, SOUTH DELHI, DELHI-110013. I HAVE CHANGED MY NAME FROM SHEENAMOL JOHN TO SHEENA KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

**NAME CHANGE**
I,MAMTA KUMARI GARG , W/O YOGESH KUMAR, R/O H. NO. 36, SARAY BAJAR, MATHURA ROAD, IGLAS, ALIGARH UTTAR PRADESH – 202124, HEREBY DECLARE THAT HAVE CHANGED MY NAME TO MITALI AGRAWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

**NAME CHANGE**
I, SUCHETA KALRA, W/O NISHANT KALRA, R/O A-61, 6TH FLOOR, NEW TOWN HEIGHTS,SECTOR-91,MEOKA (121), GURGAON, HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME "FROM BHAVYA TO BHAVYA KALRA" FOR ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**
I, ROSHAN AARA, D/O AB HADI DESHMUKH, W/O ZAKIR DESHMUKH, R/O H. NO. C-45, RAJU PARK KHANPUR DEVLI, SOUTH DELHI, DELHI– 110062, HEREBY DECLARE THAT HAVE CHANGED MY NAME TO ROSHNI DESHMUKH FOR ALL FUTURE PURPOSES.

**NAME CHANGE**
I, MANISHA wife of JC-707390H, Rank-SUB, Name-AJAY SINGH residing at VPO-BIRDHANA, BIR DHANA (108), JHAJJAR, HARYANA-124102, have changed my name from MANISHA to MANISHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, ANAM ARSI is legally daughter of MD SHAMSUL HUDA residing at VILL-BAHADERPUR, PO & PS-AMOUR, DIST-PURNEA, BIHAR-854315, have changed my name from ANAM ARSI to ANAM ARSHI vide Affidavit dated 03/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, VIJAY LAXMI SHRI VASTAV R/o A-74, ASHIRWAAD APARTMENT, BLOCK A, G.D COLONY, MAYUR VIHAR PHASE-3, DELHI-110096 have changed my name to LAXMI DEVI SHRIVASTAVA.

**NAME CHANGE**
I, SERENA LEONIE DIAS W/o Shubham Gupta R/o C-143, Vikas Marg, Anand Vihar, Delhi-110092, have changed my name to SERENA GUPTA permanently.

**NAME CHANGE**
I, K SATYA NARAYANAMMA mother of No-2620487K, Rank-SEP, Name-KEERTHI VASU residing at 2-121, VILL-PATHA SATYAVRAM, PO-SATYAVRAM, TEHSIL-PAYAKARA OPETA, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531126, have changed my name from K SATYA NARAYANAMMA to KEERTHI SATYA-NARAYANAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 03/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I Jigyasa Rawat D/o Narendra Singh R/O A-17, Lal Bagh ,Near Sai Upwan Park ,Loni Dehat ,Ghaziabad Loni ,Uttar Pradesh-201102 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Narender Singh and Sarita Rawat in my 10th and 12th class educational documents and name of mine , my father and my mother has been wrongly written as Jigyasa, Narender Singh Rawat and Sarita Rawat in my Birth Certificate No NPPLO2006-000119. The Actual name of mine , my Father and my Mother are Jigyasa Rawat , Narendra Singh and Sarita Kumari respectively which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT NO. 14 AREA 60 SQ. YD. KHASRA NO. 786, GULMOHAR CITY, VILLAGE MAHAWAD, PARGANA & TEHSIL DADRI, DISTT. GAUTAM BUDDHA NAGAR (U.P.)" I.E. ORIGINAL SALE DEED EXECUTED BY MR. SHAFIQ & MR. NAFEES KHAN IN FAVOUR OF MR. SUKHVIR SINGH REGD. IN SR- DADRI, VIDE DOC NO. 51283, BOOK NO. 1, VOL. NO. 28883, PAGE NO. 287/304 ON DATED 26.09.2024 WAS INADAVERTABLY TORNED BY THE OWNER AND SAID PROPERTY CURRENTLY OWNED BY MR. JITENDRA SINGH WHO HAD PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 16.10.2025 EXECUTED BY MR. SUKHVIR SINGH. NOW MR. JITENDRA SINGH WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
**ADITYA VERMA, ADVOCATE**
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

**NAME CHANGE**
I, MALTI DEVI wife of JC-572238Y, Rank- SUB, Name- RAGHURAJ SINGH TOMAR, residing at VPO-ESSAH, TEHSIL-MORENA, DIST-MORENA, MADHYA PRADESH-476134, have changed my name from MALTI DEVI to MALATI for all future purposes, vide Affidavit dated 03/09/2026, before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, SUNNY S/O RAJKUMAR SEHGAL R/O H.NO-C-4/37,STREET NO-5,SUDAMA PURI, GAMRI EXTENSION,NORTH EAST DELHI, DELHI-110053, HAVE CHANGED MY NAME TO SUNNY SEHGAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**
I, IRFAN R/o. H.No-T-176, 3rd FLOOR RIGHT SIDE, GALI NO-5, GAUTAMPURI, SEELAMPUR, Delhi-110053 have changed my name to MOHD IRFAN.

**NOTICE**
Public at large is hereby informed that my client Rekha Mahajan & Chander Shekhar & Anil Dhawan & Kapil Gupta the owner of Property No. A-87/88, area 525 sq. yds., Khasra No. 411, Situated in the revenue estate Village Mahipal Pur, Tehsil Vasant Vihar, Distt. New Delhi-110037. Initially, Shyam Lal was the recorded owner of Property are 525 sq. yds. Letter GPA, ATS, WILL 07.11.1985 & 06.03.1993 executed by Shyam Lal in favour of. Partap Singh letter GPA, ATS & WILL 06.03.1993 executed by Shyam Lal in favour of Partap Singh area 125 sq. yds. letter, GPA, ATS & WILL dated 22.11.1993 executed by Partap Singh in favour of Rattan Lal Bindal (HUF) through its Karta Ashwani Bindal & Atul Bindal (HUF) through its Karta Atul Bindal & Ashwani Bindal (HUF) through its Karta Ashwani Bindal area 125 sq. yds. Letter GPA, ATS and WILL 14.12.1984 executed by Shyam Lal in favour of Kiran Rani area 200 sq. yds. Letter, GPA, ATS and WILL 29.08.1990 executed by Kiran Rani in favour of Bishan Singh area 200 sq. yds. Letter GPA, ATS and WILL 17.09.1990 executed by Bishan Singh in favour of Rattan Lal Bindal (HUF) through its Karta Sh. Ashwani Bindal & Atul Bindal (HUF) through its Karta Atul Bindal & Ashwani Bindal (HUF) through its Karta Ashwani Bindal area 200 sq. yds. Letter, GPA dated 08.10.1984 executed by Shyam Lal in favour of Jai Singh & Deep Chand area 200 sq. yds. Letter, GPA, ATS and WILL 16.02.1989 executed by Jai Singh & Deep Chand in favour of Daya Chand Area 200 sq. yds. Letter Regd. GPA, ATS and WILL executed by Daya Chand in favour of Satya Bhushan Wadhwa Area 200 sq. yds., Letter GPA, ATS and WILL 12.07.1989 executed by Satya Bhushan Wadhwa in favour of Krishna Chawla Area 200 sq. yds. Letter, GPA, ATS and WILL 11.07.1990 executed by Krishna Chawla in favour of Rattan Lal Bindal (HUF) through its Karta Ashwani Bindal & Atul Bindal (HUF) through its Karta Atul Bindal & Sh. Ashwani Bindal (HUF) through its Karta Sh. Ashwani Bindal area 200 sq. yds. Finally, Sale Deed 22.09.2023 executed by Sh. Rattan Lal Bindal (HUF) through its Karta Sh. Ashwani Bindal & Sh. Atul Bindal (HUF) through its Karta Atul Bindal and & Ashwani Bindal (HUF) through its Karta Sh. Ashwani Bindal in favour of Rekha Mahajan & Chander Shekhar & Sh. Anil Dhawan & Sh. Kapil Gupta in respect of Property No. A-87/88, admeasuring 525 sq. yds., Now our above-mentioned client intends to mortgage the said immovable property for his bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 1/9/2025
**PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE**
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

**NAME CHANGE**
I, Ram Kirpal Kushwaha C/O Chunnubad, Plot No. 21 And 22 Khasra No-181, 182, Block -C Bhagat Singh Park, Siras Pur, North West Delhi Pin:110042 Have Changed My Name To Ram Kirpal For All The Future Purposes....

**NAME CHANGE**
I, Pinki Gera W/O Om Prakash, House No. 51A, Block - BC, Shalimar Bagh Dist : North West Delhi Pin:110088 Have Changed My Name To Pinky Gera For All The Future Purposes.

**NAME CHANGE**
I, MAMTA KUMARI wife of No-14665672N Rank- HAV Name-HEMANT KUMAR residing at VPO-MAKRANA, TEHSIL & DIST-CHARKHI DADRI, HARYANA-127022, have changed my name from MAMTA KUMARI to MAMTA for all future purposes, vide Affidavit dated 03/09/2026, before Executive Magistrate, New Delhi.

**NAME CHANGE**
I SARABJEET SINGH S/0 HARBHAJAN SINGH R/0 58/2 LAL BAHADUR SADAN GOLE MARKET NEW DELHI 110001 CHANGED MY NAME TO SARABJEET SINGH SABHARWAL

**NAME CHANGE**
I, Sonia Rana D/O Raghubir Singh , House no 564/13, isherhedi gonda , Bank colony gali no.7 ward no. 13 , Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana Pin : 124507, Have Changed My Name To Sonia For All The Future Proposes

**NAME CHANGE**
I, Rajbir Singh Rana S/O Gugan Singh, House no 564, Gali no.7 Arya Nagar, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana Pin : 124507, Have Changed My Name To Raghubir Singh For All The Future Proposes

**NAME CHANGE**
I, Mohan Lal Jain, S/O Rameshwar Das Jain, R/O A M-195, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi-110088 have changed my name to Mohan Jain for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I MOHD JAMEEL SON OF JUMMA R/O H NO. C-12/535, FIRST FLOOR, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053, HAVE CHANGED MY NAME MOHD JAMIL FOR ALL FUTURE PURPOSE

**NAME CHANGE**
I KHALID SON OF ABID ALI R/O H NO. A-285, MAIN ROAD, KARDAM PURI, SHAHDARA, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME KHALID ALI FOR ALL FUTURE PURPOSE



**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## हरियाणा सरकार का दावा – निजी अस्पतालों में जारी है आयुष्मान योजना के तहत इलाज

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने आईएमए द्वारा आयुष्मान में सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज नहीं होने के दावे को खारिज करते हुए कहा कि अस्पतालों में किसी भी मरीज को कोई दिक्कत नहीं आने दी जा रही है। हरियाणा सरकार ने जारी जानकारी में बताया कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत स्वास्थ्य सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहीं। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) द्वारा 31 अगस्त की रात से 1 सितंबर की रात तक योजना के तहत सेवाएं रोकने के आह्वान के बावजूद प्रदेश में पात्र लाभार्थियों को इलाज लेने में किसी तरह की बड़ी परेशानी नहीं हुई। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण (एसएचए), हरियाणा से मिली जानकारी के अनुसार, इस अवधि में निजी सूचीबद्ध अस्पतालों ने ही 1,314 से अधिक दावे पेश किए। सरकारी अस्पतालों के दावों को भी शामिल करने पर आयुष्मान भारत योजना के तहत कुल 3,511 से अधिक दावे पेश किए गए। यह संख्या योजना के तहत रोजाना पेश होने वाले करीब 3,441 दावों के औसत से भी अधिक है।

## हरियाणा में छह आईएएस एवं छह एचसीएस अधिकारियों का तबादला

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से 6 आईएएस और 6 एचसीएस अधिकारियों के तबादला एवं नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। आधिकारिक आदेश के अनुसार आईएएस अधिकारी अनिरुद्ध यादव को हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) का अतिरिक्त प्रबंध निदेशक तथा ग्लोबल सिटी प्रोजेक्ट, गुरुग्राम का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। अन्य आईएएस अधिकारियों में अदिति सिंघानिया को एसडीएम ऐलनाबाद, राहुल कंवारिया (प्रशिक्षणाधीन) को एसडीएम पिहोवा, रुहानी (प्रशिक्षणाधीन) को एसडीएम फिरोजपुर झिरका, सुमन यादव (प्रशिक्षणाधीन) को एसडीएम उचाना कलां और योगेश दिलहोर (प्रशिक्षणाधीन) को एसडीएम डबवाली लगाया गया है। एचसीएस अधिकारियों में चरखी-दादरी जिला परिषद के सीईओ विजेंद्र हुड्डा को जिला नगर आयुक्त, चरखी-दादरी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

## पंचायत भूमि की लीज में अनियमितताओं का आरोप, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

**कैथल।** गांव भूना की पंचायत भूमि से संबंधित कथित अनियमितताओं, नियम विरुद्ध लीज और पंचायत को हुए आर्थिक नुकसान के विरोध में ग्रामीणों ने जिला सचिवालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर पंचायत भूमि की निष्पक्ष जांच कराने, लीज प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और पंचायत को हुए नुकसान की रिकवरी कराने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार एक जुलाई 2026 को पंचायत भूमि की करीब एक वर्ष की लीज भंवरी देवी के नाम जारी की गई थी। इस मामले में सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी, गुहला की ओर से 24 अगस्त 2026 को लीज निरस्त करने के साथ लीज प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। ग्रामीणों का आरोप है कि आदेश के बावजूद पूरी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। ग्रामीणों ने ज्ञापन में कहा कि एक जुलाई को हुई बोली में भंवरी देवी स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि के रूप में मौजूद नहीं थीं, इसके बावजूद ग्राम सरपंच और ग्राम सचिव की ओर से उनके पक्ष में लीज जारी की गई। ग्रामीणों ने इस पूरी प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है।

## नूंह में 12 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

**नूंह।** जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार गर्ग के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितंबर को नूंह जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नेहा गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित होने वाली लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के लंबित मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा। लोक अदालत का उद्देश्य पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत दिलाते हुए उनके मामलों का त्वरित, सरल व स्थायी समाधान उपलब्ध कराना है। इसमें पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवादों का समाधान कर सकेंगे। राष्ट्रीय लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, दीवानी मामले, जमानती फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले, बिजली एवं पानी के बिल से जुड़े विवाद तथा राजस्व प्रकरण सहित विभिन्न मामलों का निपटारा किया जाएगा।

# सड़कों पर बेसहारा गौवंश नजर नहीं आना चाहिए : मुख्यमंत्री

## विशेष अभियान चलाकर की जाए प्रत्येक पशु की टैगिंग : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

**बेसहारा गौवंश को पकड़ने के लिए पूरे प्रदेश में जिला वार किए जाएंगे टेंडर**

**गौ अभ्यारण्यों में फेंसिंग व चारदीवारी के साथ हरे चारे की व्यवस्था के निर्देश**

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में बेसहारा गौवंश सड़कों पर नजर नहीं आना चाहिए। इसके लिए विशेष अभियान चलाकर बेसहारा पशुओं को पकड़ा जाए तथा प्रत्येक पशु की टैगिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पशुओं की पहचान सुनिश्चित होने से यदि किसी घर या गौशाला से पशु बाहर आता है तो संबंधित पशुपालक की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सचिवालय में गौ सेवा आयोग और पशुपालन विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान हरियाणा के कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद थे। बैठक में प्रदेश में बेसहारा गौवंश की समस्या, गौशालाओं की व्यवस्थाओं, गौ अभ्यारण्यों, नस्ल सुधार तथा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पशुपालन विभाग के अधिकारियों और हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्री रामचंद कंबोज ने बेसहारा पशुओं और गौशाला में मौजूद गौवंश पर अपनी

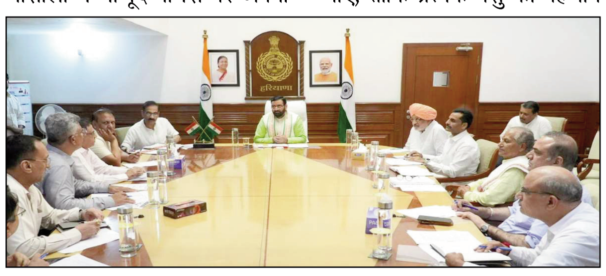

बात रखी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर में अभियान चलाकर प्रत्येक गौवंश की टैगिंग की जाए। नगर निकायों द्वारा पकड़े जाने वाले पशुओं को गौशालाओं में छोड़ते समय भी उनकी टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाए, ताकि प्रत्येक पशु की पहचान सुनिश्चित हो सके। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कई बार कुछ पशुपालक सुबह और शाम पशुओं का दूध निकालने के बाद उन्हें खुले में घूमने के लिए छोड़ देते हैं, जिससे पशु सड़कों पर बेसहारा अवस्था में नजर आते हैं। ऐसे मामलों में संबंधित पशुपालक की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई करने पर चर्चा हुई। इस दौरान पहली बार पशु पकड़े जाने पर 11 हजार रुपये, दूसरी बार 21 हजार रुपये का जुर्माना तथा तीसरी बार पशु पकड़े जाने पर एफआईआर दर्ज करने जैसी सख्त कार्रवाई का प्रावधान किए जाने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही ऐसे पशुपालकों को सरकार की ओर से पशुओं के लिए दी जाने वाली सुविधाओं, जैसे वैक्सीनेशन, इंश्योरेंस प्रीमियम आदि से वंचित करने तथा उनका नाम नेगेटिव लिस्ट में डालने की व्यवस्था करने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पकड़े गए पशुओं को निर्धारित कार्रवाई किए बिना वापस नहीं किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री ने बेसहारा पशुओं को पकड़ने के लिए पूरे प्रदेश में जिला वार टेंडर करने के निर्देश दिए, ताकि विशेष अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया जा सके। मुख्यमंत्री ने गौ अभ्यारण्यों की व्यवस्था करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में उचित फेंसिंग करवाई जाए। जिस क्षेत्र में पशुओं को रखना है, वहां चारदीवारी की व्यवस्था की जाए तथा शेष क्षेत्र में हरे चारे की बुआई करवाई जाए। गौ अभ्यारण्यों में पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए।

# हरियाणा में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा ‘सेवा संकल्प अभियान’

## जनभागीदारी, जनसेवा और जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं की पहुंच पर रहेगा जोर

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की समर्पित जनसेवा और परिवर्तनकारी सुशासन मुहैया करवाने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर, 2026 तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ मनाया जाएगा। एक माह तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी को बढ़ावा देना, पात्र नागरिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना तथा सरकारी सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाना है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज यहां एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित विभागों को समन्वित, समयबद्ध एवं प्रभावी तरीके से कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अभियान का प्रमुख घटक ‘सेवा सेतु-सरकार आपके द्वार’ होगा। इसके तहत ब्लॉक एवं विधानसभा क्षेत्र स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायता प्रदान की जाएगी। प्रत्येक ब्लॉक एवं विधानसभा क्षेत्र में ‘सेवा सेतु केंद्र’ स्थापित करने की योजना है। इन केंद्रों पर नागरिकों को योजनाओं की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया में सहायता तथा लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र लाभार्थियों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्य सचिव ने विभागों को खंडवार कार्यक्रम तैयार करने, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने तथा लक्षित लाभार्थियों तक पहुंच के लिए लाभार्थी डेटाबेस तैयार रखने के निर्देश दिए। युवाओं एवं बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक राष्ट्रव्यापी चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इसमें विद्यार्थी देश के विकास की उपलब्धियों तथा बेहतर भविष्य की आकांक्षाओं से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करेंगे।

सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री के.एम. पांडुरंग ने बताया कि ‘सेवा मेरा योगदान’ के तहत नागरिकों को अपने घर, पड़ोस, गांव, स्कूल, कार्यस्थल तथा सार्वजनिक स्थानों पर सेवा गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत रक्तदान, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, अनाथालय एवं वृद्धाश्रमों का दौरा, वंचित बच्चों को शैक्षणिक सहयोग, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, पोषण एवं एनीमिया जागरूकता, सड़क सुरक्षा, जल संरक्षण, कचरे को अलग करना, साइबर सुरक्षा, खेल गतिविधियों तथा दिव्यांगजनों की सहायता सहित 25 सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

## प्रदेश में कॉलेज दाखिले की अंतिम तिथि 15 सितंबर तक बढ़ी : महीपाल ढांडा

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने प्रदेश के विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए स्नातक प्रथम वर्ष की सेंट्रलाइज़्ड ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 15 सितंबर 2026 करने का निर्णय लिया है। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने बुधवार को बताया कि विभाग को विभिन्न कॉलेजों, जनप्रतिनिधियों और विद्यार्थियों की ओर से प्रवेश पोर्टल को पुनः खोलने तथा तिथि बढ़ाने के अनेक अनुरोध प्राप्त हो रहे थे। कई विद्यार्थी तकनीकी कारणों या अन्य वजहों से समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा के समान अवसरों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह जनहितैषी कदम उठाया है। जारी आदेशों के अनुसार यह निर्णय प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार, सरकारी कॉलेजों, सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों तथा स्व-वित्तपोषित (सेल्फ-फाइनेंस) कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश का कोई भी

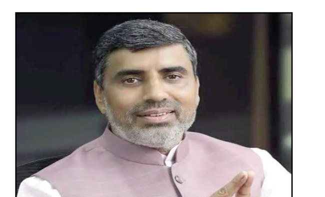

होनहार छात्र उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। तिथि बढ़ाए जाने से बचे हुए सभी पात्र छात्र अब 15 सितंबर तक पोर्टल पर अपनी प्रवेश प्रक्रिया आसानी से पूरी कर सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपना दाखिला सुनिश्चित करें।

# केएमपी पर मजदूरों से भरी ईको ट्रक से टकराई, तीन की मौत, नौ घायल

**एजेंसी**

**सोनीपत।** सोनीपत जिले के खरखौदा क्षेत्र में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह लगभग पांच बजे मजदूरों से भरी ईको गाड़ी ट्रक से टकरा गई। गोपालपुर गांव की सीमा के पास हुए हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईको गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के गांव बड़ेपुरा के करीब 11 मजदूर और ईको चालक समेत 12 लोग झज्जर की ओर बाजरा काटने जा रहे थे। सुबह लगभग पांच बजे उनकी गाड़ी गोपालपुर गांव के पास कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर पहुंची। इसी दौरान ईको की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में गांव बड़ेपुरा निवासी रामनरेश शामिल हैं, जबकि दो मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। दो शवों को खरखौदा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं एक शव क्षतिग्रस्त ईको में फंस गया था, जिसे पुलिस और राहत दल ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। हादसे में घायल विवेक, छोटू,

हरिशंकर, खुशहाली, फातिलाल, महेंद्र पाल, संजीव, प्रमोद और नेवाराम सभी गांव बड़ेपुरा, जिला पीलीभीत के रहने वाले बताए गए हैं। सभी घायलों को खरखौदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की हालत गंभीर है और कई घायल बेहोशी की हालत में बताए गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के साथ ईको में फंसे शव को बाहर निकालने का काम किया गया। पुलिस ने मृतकों की पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

# प्रदेश में बनेंगे 582 ‘विलेज नॉलेज सेंटर’

## ग्रामीणों को मिलेगी एक ही स्थान पर सुविधा

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का मकसद ग्रामीणों को भी शहरों जैसी बेहतर और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। सरकार गांवों के विकास पर लगातार काम कर रही है, सरकार के प्रयास है कि हर तरह की सुविधा ग्रामीण इलाके में भी मिले। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सचिवालय में स्टेट फाइनेंस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अधिकारियों द्वारा नाबार्ड के सहयोग से प्रदेश में 582 विलेज नॉलेज सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया। इस परियोजना पर कुल 514.53 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जाएगी, जिसके तहत प्रत्येक विलेज नॉलेज सेंटर पर लगभग 88.33 लाख रुपये खर्च होंगे। इस दौरान विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग को निर्देश दिए कि इस परियोजना हेतु आवश्यक धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र प्रदान की जाए, ताकि योजना का क्रियान्वयन समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित हो सके। विलेज नॉलेज सेंटर को गांव में एक ‘ऑल-इन-वन’ सहायता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां विकास एवं पंचायत विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी उपलब्ध रहें। इससे ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से संबंधित आवश्यक सुविधाएं एवं सेवाएं सुगमता से मिल सकेंगी। इनमें बैठक कक्ष, सरपंच कार्यालय, सीएससी रूम, डिजिटल लाइब्रेरी, केयर टेकर कक्ष जैसी सुविधा भी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ‘विलेज नॉलेज सेंटर’ परिसर में चबूतरे के साथ एक छायादार पेड़ भी लगाया जाए। उन्होंने कहा कि गांवों में चबूतरा और पेड़ हमेशा से ही आपसी मेल-जोल, बातचीत और सामुदायिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। इसी पारंपरिक ग्रामीण संस्कृति और विरासत को आगे बढ़ाते हुए विलेज नॉलेज सेंटर परिसर में ऐसी व्यवस्था की जाए।

# करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज 505 नए बेड जुड़ेंगे

**बेड क्षमता 600 से बढ़कर 1100 होगी**

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेशवासियों को बेहतर, आधुनिक और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं उनके नजदीक उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सचिवालय में स्टेट फाइनेंस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में करनाल स्थित कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के फेज-द्वितीय विस्तार को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री आरती राव भी मौजूद थी। फेज-द्वितीय के तहत अस्पताल की चिकित्सा सुविधाओं और क्षमता में बड़े स्तर पर विस्तार किया जाएगा। इससे करनाल सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और सुपर-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। वर्तमान में कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हर वर्ष 120 एमबीबीएस विद्यार्थियों को दाखिला दिया जाता है तथा 64 पीजी सीटें

हैं। अस्पताल में करीब 600 बेड की क्षमता है।

फेज-II के तहत अस्पताल परिसर के विस्तार के लिए 404.95 करोड़ रुपये की लागत का प्रस्ताव रखा गया। इसके तहत ट्रॉमा सेंटर, बर्न यूनिट एवं बर्न वार्ड, आईसीयू, आईसीसीयू, जनरल मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी, न्यूरो सर्जरी और मनोरोग विभाग से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा हेलिपैड तथा अन्य जरूरी सहयोगी एवं सहायक सुविधाओं का भी प्रावधान किया जाएगा। प्रस्तावित विस्तार के तहत अस्पताल में करीब 505 नए बेड जोड़े जाएंगे। इससे अस्पताल की कुल बेड क्षमता लगभग 600 से बढ़कर 1100 बेड हो जाएगी। इससे गंभीर बीमारियों, दुर्घटनाओं और अन्य जटिल मामलों के मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी और क्षेत्र में विशेषज्ञ एवं सुपर-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी।

अधिकारियों ने बताया कि इसी प्रकार मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस दाखिला क्षमता को 120 सीटों से बढ़ाकर 250 सीट करने का प्रस्ताव है। इससे मेडिकल शिक्षा और डॉक्टरों की ट्रेनिंग के लिए संस्थान की क्षमता में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। फेज-द्वितीय के तहत कुछ निर्माण कार्य पहले ही शुरू किए जा चुके हैं। हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 169.58 करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त हॉस्टल और आवासीय सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। वहीं, अस्पताल परिसर के फेज-द्वितीय विस्तार का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। फेज-II विस्तार के माध्यम से कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के साथ भविष्य में शैक्षणिक, क्लीनिकल और सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार के लिए भी आवश्यक आधारभूत ढांचा तैयार होगा।

# मोहाली हवाई अड्डे पर विदेशी पर्यटकों को मिलेगी हरियाणा पर्यटन की जानकारी

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मोहाली में आने वाले पर्यटकों को अब हरियाणा के टूरिज्म की जानकारी मिल सकेगी। हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मोहाली के आगमन टर्मिनल पर हरियाणा पर्यटन विभाग के टूरिस्ट इन्फॉर्मेशन एंड फैसिलिटेशन सेंटर का शुभारंभ किया।

डॉ. शर्मा ने कहा कि एयरपोर्ट पर पहुंचने वाले पर्यटकों को हरियाणा के प्रमुख पर्यटन एवं विरासत स्थलों, पर्यटन सर्किट, होटल-रिसॉर्ट, मेलों और आयोजनों की जानकारी के साथ बुकिंग संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। डिजिटल एवं इंटरैक्टिव तकनीक के माध्यम से पर्यटकों को प्रदेश की विविध पर्यटन संभावनाओं से परिचित कराया जाएगा।टीआईएफसी में एआई आधारित ‘सरस्वती’ ऐप शामिल है। यह ऐप पर्यटकों को हरियाणा के

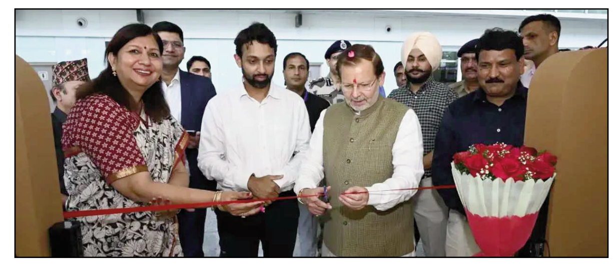

पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत, संस्कृति, मेलों, आयोजनों और पर्यटन सुविधाओं के बारे में त्वरित एवं इंटरैक्टिव जानकारी उपलब्ध कराने में मदद करेगा। पर्यटक अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न स्थलों की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ हरियाणा भ्रमण की योजना बनाने में भी इस ऐप की सहायता ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान अब केवल खेती-किसानी, उद्योग और खेल तक सीमित नहीं है। कुरुक्षेत्र की गीता, सूरजकुंड की कला, पिंजौर की विरासत, मोरनी की पहाडियां, धोसी पहाड़ी की आस्था और गांवों की संस्कृति प्रदेश को पर्यटन की व्यापक संभावनाएं प्रदान करती हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि वर्ष 2026 में आयोजित 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में 53 देशों के 700 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। अब सूरजकुंड मेला परिसर का सालभर विवाह, सांस्कृतिक और अन्य आयोजनों के लिए उपयोग करने तथा सितंबर से दिसंबर के बीच अतिरिक्त मेलों के आयोजन की संभावनाओं पर भी काम किया जा रहा है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि टिक्कर ताल, तिलयार झील और हथनीकुंड बैराज जैसे स्थलों को साहसिक पर्यटन से जोडने की दिशा में काम किया गया है। जल क्रीड़ा, नौकायन, बनाना बोट, जेट स्की और कैंपिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि ज्योतिसर में 205.58 करोड़ की लागत से महाभारत अनुभव केंद्र विकसित किया गया है, जबकि विराट स्वरूप में 13.63 करोड़ की लागत से प्रकाश एवं ध्वनि शो तैयार किया गया है।

# दमकल कर्मियों पर सरकार की सख्ती: आठ बर्खास्त और 12 निलंबित, हड़ताल छह सितम्बर तक बढ़ी

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा में अग्निशमन विभाग के हड़ताली कर्मचारियों एवं सरकार के बीच विवाद गहरा हो गया है।कर्मचारियों ने जहां हड़ताल को छह सितंबर तक बढ़ाने का ऐलान करते हुए गुरुवार को शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल के फरीदाबाद आवास का घेराव करने का ऐलान किया है, वहीं सरकार ने देर रात कार्रवाई करते हुए हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंह, महासचिव गुलशन भारद्वाज सहित आठ पे-रोल कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के आदेश जारी किए हैं। वहीं यूनियन के कोषाध्यक्ष एवं मुख्य अग्निशामक सुखदेव सिंह, मुख्य संगठनकर्ता एवं मुख्य अग्निशामक संतोष कुमार सहित 12 नियमित फायर कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। कई स्थानों पर हड़ताली कर्मचारियों की गिरफ्तारी और मामले दर्ज किए जाने का भी दावा किया गया है। सरकार की कार्रवाई के विरोध में कर्मचारियों ने प्रदेशभर में प्रदर्शन किए और बर्खास्तगी व निलंबन आदेशों की प्रतियां जलाकर रोष जताया। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने भी कार्रवाई की निंदा करते हुए सरकार से दमनात्मक कदम वापस लेने तथा 13 मई के समझौते को लागू कर हड़ताल समाप्त कराने की मांग की। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि बर्खास्तगी, निलंबन और मुकदमों से कर्मचारी आंदोलन नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि ठेका कर्मचारियों को नियमित करने, ठेका प्रथा समाप्त करने और समझौते में मानी गई अन्य मांगों के पत्र जारी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

## डॉलर की कमजोरी से सोना-चांदी में चमक बढ़ी

**सोना 1400 रुपए चढ़ा, चांदी में भी 2800 की बढ़त**

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और बॉन्ड यील्ड में नरमी के चलते दोनों कीमती धातुओं को समर्थन मिला, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में इनकी चमक बढ़ गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सोने और चांदी में यह तेजी आगे भी जारी रह सकती है, जो निवेशकों के लिए उत्साहजनक खबर है। घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमतों में बड़ी उछाल देखने को मिली। अक्टूबर वायदा का सोना लगभग 1400 रुपए बढ़कर 153,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया। चांदी भी इस दौड़ में पीछे नहीं रही, सितंबर वायदा का भाव करीब 2800 रुपए बढ़कर 2,32,750 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया, जिसमें लगभग 1.2 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं ने एक महीने के निचले स्तरों से शानदार रिकवरी की। कॉमैक्स पर सोना का भाव करीब 1.4 प्रतिशत यानी 62 डॉलर बढ़कर 4476 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इस वैश्विक मजबूती का असर भारतीय बाजारों पर भी साफ तौर पर देखा गया। निर्मल बंग कमोडिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में गिरावट आने पर सोने में 153,500 रुपए के आसपास खरीदारी की रणनीति सुझाई गई है, जिसके लिए 152,300 रुपए का स्टॉप लॉस और 155,000 से 156,500 रुपए तक के लक्ष्य दिए गए हैं। चांदी में भी सकारात्मक रुख देखा गया है। रिपोर्ट में 239,000 के करीब खरीदारी करने की सलाह दी गई है, जिसमें 235,000 का स्टॉप लॉस और 246,000 से 250,000 रुपए तक के संभावित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। डॉलर में लगातार कमजोरी और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का रुझान एक बार फिर सुरक्षित निवेश माने जाने वाली इन कीमती धातुओं की ओर बढ़ रहा है।

## ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का शेयर 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली।

कंडक्टर एवं बिजली केबल विनिर्माता कंपनी ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का शेयर अपने 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ गुरुवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुआ। शेयर एनएसई पर 110 रुपये पर खुला, जो निर्गम मूल्य से 34.15 प्रतिशत अधिक है। बाद में यह 44.15 प्रतिशत चढ़कर 118.20 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया।बीएसई पर इसने 32.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109 रुपये पर शुरुआत की। बाद में इसमें 45.11 प्रतिशत की तेजी आई और यह 118.99 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 3,508.46 करोड़ रुपये और बीएसई पर 3,505.41 करोड़ रुपये रहा। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 118.12 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 700 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 78-82 रुपये प्रति शेयर था।नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, उपकरण और मशीनरी की खरीद तथा कंपनी के सामान्य कामकाज आदि के लिए किया जाएगा।

## प्रसोल केमिकल्स का आईपीओ आठ सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। विशेष रसायन बनाने वाली प्रसोल केमिकल्स लिमिटेड ने अपने 500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 643-676 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि आईपीओ आठ सितंबर को खुलेगा और 10 सितंबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक सात सितंबर को बोली लगा सकेंगे।सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, आईपीओ में 80 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 420 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कामकाज के लिए किया जाएगा।वर्ष 1992 में प्राची पॉली प्रोडक्ट्स के नाम से शुरू हुई कंपनी ने 2007 में अपना नाम बदलकर प्रसोल केमिकल्स किया था। 2022 में यह सार्वजनिक कंपनी बनी। कंपनी एसीटोन तथा फॉस्फोरस आधारित और अन्य विशेष रसायनों का उत्पादन करती है।

# डॉक्टरों की कमी के बीच विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स की राह मुश्किल

**अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 फीसदी से अधिक फेल**

नई दिल्ली। भारत गंभीर डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का अभाव गहराता जा रहा है। इस बीच विदेश से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर लौटे हजारों भारतीय स्नातक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। हाल ही में हुई अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार असफल रहे, जिससे देश की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने की चुनौती और भी बढ़ गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा हाल ही में आयोजित फॉरेन मेडिकल ग्रैजुएट परीक्षा (एफएमजीई) में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। 37,448 पंजीकृत उम्मीदवारों में से 36,288 ने परीक्षा दी, लेकिन केवल 4,635 (12.77 प्रतिशत) ही इसे पास कर पाए। यह स्थिति ऐसे समय में आई है जब भारत में डॉक्टरों की भारी कमी है और वे समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 तक ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में 21,964 विशेषज्ञ डॉक्टरों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 4,413 ही उपलब्ध थे, यानी लगभग 80 प्रतिशत की कमी। दिल्ली स्थित एम्स के एक रेजिडेंट डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, देश में मेडिकल शिक्षा महंगी होने के कारण हजारों छात्रों को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाना पड़ता है। भारत में हर साल 22 लाख से अधिक छात्र नीट-यूजी परीक्षा देते हैं, जबकि देश में एमबीबीएस की केवल 1.30 लाख स्नातक सीटें ही उपलब्ध हैं। इनमें से लगभग 63,700 सीटें सरकारी कॉलेजों में हैं, जिनकी फीस निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों की तुलना में काफी कम होती है। निजी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई का खर्च 80 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे यह मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक मुश्किल सपना बन जाता है।

## एफएसएसएआई ने ब्रिटिश लाइफसाइंसेज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की

**3.7 टन उत्पाद नष्ट करने का आदेश**

नई दिल्ली।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेंगलुरु स्थित ब्रिटिश लाइफसाइंसेज के खिलाफ कड़े नियामक कदम उठाए हैं। निरीक्षण के दौरान कंपनी के परिसर में बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले और अवधि समाप्त शिशु खाद्य उत्पाद पाए गए, जिसके बाद एफएसएसएआई ने कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। एफएसएसएआई ने बताया कि खाद्य सुरक्षा जांच के दौरान, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले शिशु खाद्य पदार्थों की पहचान कर उन्हें जब्त किया गया। नियामक ने इन उल्लंघनों की गंभीर प्रकृति और मानकों का पालन न करने वाले उत्पादों से शिशुओं तथा छोटे बच्चों को होने वाले संभावित जोखिम को देखते हुए कंपनी के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही आरंभ की है। इसके अतिरिक्त, एफएसएसएआई ने अदालत के निर्देशानुसार 3.7 टन अवधि समाप्त हो चुके शिशु खाद्य पदार्थों को नष्ट करने का आदेश दिया। इन खराब हो चुके उत्पादों का सुरक्षित तरीके से निपटान सुनिश्चित किया गया है ताकि उनके दोबारा इस्तेमाल, गलत जगह भेजे जाने या खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में फिर से शामिल किए जाने को रोका जा सके। यह कार्रवाई शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति नियामक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

## आरबीआई की विशेष योजना सफल, भारत में पहुंचे 136 अरब डॉलर

**एनआरआई ने जमा किए सर्वाधिक 127 अरब डॉलर**

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष विदेशी मुद्रा जुटाने वाली योजना को अभूतपूर्व सफलता मिली है। 31 अगस्त तक इसके तहत देश में रिकॉर्ड 136 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा आ चुकी है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ है। इस राशि का मुख्य हिस्सा (करीब 127 अरब डॉलर या 93 फीसदी) विदेशों में रहने वाले भारतीयों (एनआरआई) द्वारा जमा किया गया। शेष भारतीय कंपनियों की उधारी से आया। आरबीआई ने 8 जून को यह योजना वैश्विक अस्थिरता से अर्थव्यवस्था को सुरक्षा कवच देने हेतु शुरू की थी। शुरुआत में धीमी गति के बाद, अगस्त के अंतिम 10 दिनों में 63 अरब डॉलर से अधिक की अप्रत्याशित तेजी देखी गई। इस त्वरित सफलता के चलते, आरबीआई ने एनआरआई जमा विकल्प को निर्धारित समय से पहले 31 अगस्त को ही बंद कर दिया। यह 2013 की समान योजना से पांच गुना अधिक विदेशी मुद्रा जुटाने का रिकॉर्ड है। एनआरआई की यह भागीदारी भारत की अर्थव्यवस्था में उनके गहरे भरोसे को दर्शाती है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार रुपये को स्थिर रखेगा, आयात लागत पर दबाव कम करेगा और महंगाई नियंत्रण में सहायक होगा। इसका लाभ आम आदमी को आर्थिक स्थिरता के रूप में मिलेगा।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 417, निफ्टी 41 अंक गिरा**

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 417.49 अंक नीचे आकर 76,152.86 पर और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 41 अंक टूटकर 23,873.45 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4546 शेयरों में कारोबार हुआ, जिसमें से 2552 शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी जबकि 1769 शेयरों में गिरावट आई और 225 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एशियन पेंट्स शामिल रहे।

वहीं टेक महिंद्रा, सिप्ला, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से देखें तो आज ऑटो, फार्मा और एफएमसीजी में गिरावट आई, जबकि रियल्टी इंडेक्स और मीडिया इंडेक्स में बढ़त हुई। पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.2 प्रतिशत उछला। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई।

सुबह बाजार तेजी के साथ खुले, सेंसेक्स 220 अंकों से अधिक की मजबूती के साथ 76,800 के स्तर के पास कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी करीब 80 अंकों की तेजी के साथ 24,000 के करीब पहुंच गया।

# बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

**खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मॉलकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ**

नई दिल्ली। बढ़ती बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बॉन्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब ट्रू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है। 2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बॉन्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मॉलकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है। यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं।

## रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

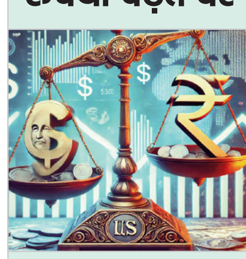

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 26 अंकों की तेजी के साथ 94.47 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 47 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.26 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा में उम्मीद से काफी अधिक राशि जुटने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये की चाल मजबूत पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आक्रामक हस्तक्षेप को दर्शाती है, जिसने कच्चे तेल की ऊंची कीमतों तथा वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के नकारात्मक असर को बेअसर किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त हासिल करते हुए 94.26 प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 47 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को 22 पैसे की तेजी के साथ 94.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.43 पर रहा।

# एसबीआई यूपीआई सेवा 4 सितंबर रात 45 मिनट के लिए बंद रहेगी

**बैंक ने बताया मेंटेनेंस के कारण, रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक नहीं होगा भुगतान**

नई दिल्ली

अगर आप भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के यूपीआई यूजर हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। बैंक ने घोषणा की है कि 4 सितंबर की रात को उसकी यूपीआई सेवाएं 45 मिनट के लिए अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं रहेंगी। यह रुकावट सिस्टम के निर्धारित मेंटेनेंस के कारण होगी, जिससे ग्राहकों को इस अवधि में ऑनलाइन भुगतान में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई के अनुसार सेवाएं 4 सितंबर की रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक बंद रहेंगी।

इस दौरान, ग्राहक यूपीआई के माध्यम से पैसे भेजने, बिल भरने या ऑनलाइन खरीदारी जैसे कोई भी भुगतान नहीं कर पाएंगे। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि यदि उन्हें इस अवधि के आसपास कोई जरूरी भुगतान करना हो, तो उसे पहले ही निपटा लें। अचानक परेशानी से बचने के लिए वैकल्पिक डिजिटल भुगतान विकल्पों को भी तैयार रखने की सलाह दी गई है।

एसबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से ग्राहकों को सूचित करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। बैंक ने इस अवधि के दौरान छोटे भुगतानों के लिए यूपीआई लाइट का विकल्प भी सुझाया है।

# ई-कॉमर्स सेक्टर में बंपर भर्तियां, त्योहारी सीजन ला रहा लाखों रोजगार

**- मीशो 10 लाख, अमेजन 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर देगा**

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन शुरू होते ही ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने रोजगार के नए द्वार खोल दिए हैं। इस साल मांग में भारी उछाल की उम्मीद के चलते मीशो और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियां मिलकर लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। यह हायरिंग प्रक्रिया अगस्त से शुरू होकर सर्दियों के शादी सीजन तक जारी रहने की संभावना है।

त्योहारी सीजन के नजदीक आते ही ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर भर्तियां शुरू कर दी हैं। इस साल त्योहारी बिक्री स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन के साथ अगस्त में ही अपेक्षाकृत जल्दी शुरू हो चुकी है, जिसके दीवाली और उसके बाद सर्दियों के शादी के सीजन तक जारी रहने की उम्मीद है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो इस त्योहारी सीजन में 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसमें लगभग 6.5 लाख लोग उसके विक्रेता नेटवर्क से जुड़ेंगे, जबकि करीब 3.75 लाख लोग लॉजिस्टिक्स विभाग में काम करेंगे। मीशो का लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म वाल्मो अन्य भागीदारों के साथ मिलकर डिलीवरी, सॉर्टिंग और सेंटर संचालन जैसी भूमिकाओं के लिए लोगों को नियुक्त करेगा।

कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार, त्योहारी सीजन ऑनलाइन खरीदारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण अवसर होता है। इसी क्रम में, ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने भी देशभर में अपने नेटवर्क में 1,60,000 से अधिक रोजगार अवसर पैदा किए हैं। इसमें क्यूकॉम वर्टिकल अमेजन नाउ भी शामिल है। कंपनी देश के करीब 400 शहरों में पिकिंग, पैकिंग, शिपिंग और डिलीवरी जैसी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की भर्ती कर रही है। ये भर्तियां त्योहारी मांग को कुशलतापूर्वक संभालने में सहायक होंगी।

## बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

**खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मॉलकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ**

नई दिल्ली।

बढ़ती बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बॉन्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब ट्रू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है।

2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बॉन्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मॉलकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है। यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं। 31 गुना और 33 गुना के पीई मल्टीपल के साथ, ये सेगमेंट पिछले 14 वर्षों की तुलना में बहुत महंगे हैं। उनका रिस्क प्रीमियम पिछले 14 सालों के निचले क्वार्टाइल में है, जो 2023-24 की उस तेजी का परिणाम है जिसे नियामक ने खुद अत्यधिक तेजी वाला बताया था। यह स्थिति बाजार को दो स्पष्ट दिशाओं में बांटती है- एक तरफ वैल्यू के लिहाज से आकर्षक लार्जकैप सेगमेंट, जो भारत की ब्लूचिप कंपनियां हैं और पिछले दो सालों से विदेशी निवेश की निकासी झेल रहे हैं।

## हैकरों से एक कदम आगे रहना होगा ऑटो उद्योग को:मारुति सुजुकी

**उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा**

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारतीय वाहन उद्योग को साइबर हमलों से एक कदम आगे रहने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हैकर लगातार अपनी तकनीक को उन्नत कर रहे हैं, जिसके मद्देनजर उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा। हाल के वर्षों में कई बड़े साइबर हमलों ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है, जिससे अरबों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) के 66वें सालाना सत्र में अपने भाषण के दौरान ताकेउची ने कहा कि जैसे-जैसे उद्योग अधिक डिजिटल होता जा रहा है, साइबर सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि संगठन आधुनिक तकनीक में निवेश कर अपने साइबर सुरक्षा सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं, लेकिन साथ ही हैकर्स भी अपनी तकनीक को बेहतर और अधिक स्मार्ट बना रहे हैं।

ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उनसे हमेशा एक कदम आगे रहें। उन्होंने सितंबर 2025 में टाटा मोटर्स की कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) पर हुए बड़े साइबर हमले का उदाहरण दिया। इस हमले के कारण ब्रिटिश लग्जरी कार कंपनी को अपने आईटी सिस्टम बंद करने पड़े और ब्रिटेन के संयंत्र में उत्पादन लगभग छह सप्ताह तक रोकना पड़ा। इस रुकावट ने विनिर्माण, रिटेल और वितरण पर गंभीर असर डाला, जिससे जेएलआर को 19.6 करोड़ पौंड का भारी खर्च उठाना पड़ा। थोक बिक्री में 24 प्रतिशत और रिटेल बिक्री में 17 प्रतिशत की गिरावट आई। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि कैसे एक कार निर्माता पर हुआ साइबर हमला उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है।

जेएलआर की घटना से पहले, मई 2023 में सुजुकी मोटरसाइकल इंडिया को भी साइबर हमले का शिकार होना पड़ा था। इस हमले के कारण कंपनी को लगभग एक सप्ताह के लिए अपने संयंत्रों में उत्पादन रोकना पड़ा, जिससे अनुमानित रूप से 20,000 से अधिक दोपहिया वाहनों का नुकसान हुआ था। ये घटनाएं भारतीय वाहन उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा को एक अनिवार्य प्राथमिकता बनाती हैं।

# जन्माष्टमी का संदेश: उत्सव से आगे बढ़कर कृष्ण के कर्मयोग को जीवन में उतारें

कांतिलाल मांडोत

**श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।**

जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस जीवन-दर्शन को याद करने का अवसर है, जिसने कर्म, कर्तव्य, न्याय, करुणा और लोककल्याण को धर्म के केंद्र में स्थापित किया। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय जनमानस में सदियों से आस्था, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक रहा है। मंदिरों में सजावट होती है, झांकियां निकलती हैं, भजन गूंजते हैं और आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। लेकिन जन्माष्टमी का वास्तविक महत्व तभी पूरा होगा, जब उत्सव के साथ श्रीकृष्ण के जीवन-मूल्यों को भी अपने आचरण का हिस्सा बनाया जाए।

श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण परिस्थितियों से शुरू होकर कर्म और संघर्ष की ऐसी यात्रा बनता है, जो आज भी मनुष्य को कठिन समय में सही रास्ता चुनने की प्रेरणा देती है। उनका जन्म किसी राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण वातावरण में नहीं हुआ। वे कारागार में जन्मे और बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा सामान्य ग्रामीण परिवेश में बीता। परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को अपने व्यक्तित्व की सीमा नहीं बनने दिया। यही श्रीकृष्ण के जीवन का पहला बड़ा संदेश है कि मनुष्य की पहचान उसके सामने मौजूद कठिनाइयों से नहीं, बल्कि उन कठिनाइयों के बीच किए गए उसके कर्मों से होती है।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

उनके जीवन से सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा यह मिलती है कि अच्छाई को देखने वाली दृष्टि मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाती है। संसार में कोई भी व्यक्ति या परिस्थिति पूरी तरह दोषरहित नहीं होती। हर जगह अच्छाई और कमी दोनों मौजूद रहती हैं। ऐसे में यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह अपनी ऊर्जा किस दिशा में लगाता है। दूसरों की कमियां खोजने में जीवन लगाने के बजाय यदि हम उनके भीतर मौजूद अच्छाइयों को पहचानना और उनसे सीखना शुरू करें, तो समाज में कटुता कम होगी और सहयोग की भावना मजबूत होगी। आज जब सामाजिक जीवन में आलोचना, आरोप और नकारात्मकता तेजी से बढ़ रही है, तब श्रीकृष्ण की यह सकारात्मक दृष्टि विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है।

श्रीकृष्ण का जीवन करुणा को केवल भावना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलने की प्रेरणा देता है। किसी दूसरे व्यक्ति की कठिनाई को देखकर केवल संवेदना व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक मानवता तब है, जब हम अपनी क्षमता के अनुसार किसी की समस्या को कम करने का प्रयास करें। समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो दूसरों के दुख को देखकर मुंह न फेरें, बल्कि सहायता के लिए आगे बढ़ें। आज आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, अकेलापन और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों के बीच परस्पर सहयोग की भावना ही समाज को मजबूत कर सकती है।

श्रीकृष्ण की मित्रता भी भारतीय संस्कृति में आदर्श मानी जाती है। सुदामा के साथ उनका संबंध यह बताता है कि सच्ची मित्रता में आर्थिक स्थिति, पद या प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। संबंध की गरिमा इस बात में है कि सामने वाले व्यक्ति को सम्मान मिले और उसकी आत्मसम्मान की रक्षा हो। आज के दौर में जब संबंधों को अक्सर लाभ और सुविधा की दृष्टि से देखा जाने लगा है, तब कृष्ण-सुदामा की मित्रता हमें रिश्तों की वास्तविक कीमत समझाती है।

श्रीकृष्ण का सबसे विराट संदेश भगवद्गीता के माध्यम से सामने आता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सामने जब कर्तव्य और मोह का संकट खड़ा हुआ, तब श्रीकृष्ण ने उसे कर्म का मार्ग समझाया। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। हर मनुष्य के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब निर्णय लेना कठिन होता है। भय, मोह, असमंजस और परिणाम की चिंता व्यक्ति को उसके कर्तव्य से दूर कर सकती है। ऐसे समय में कर्म के प्रति निष्ठा और विवेक ही रास्ता दिखाते हैं। गीता का कर्मयोग इसी जीवन-संघर्ष के बीच मनुष्य को अपने दायित्व से विमुख न होने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण की न्यायप्रियता भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। महाभारत के प्रसंग में उन्होंने अंतिम क्षण तक संघर्ष टालने का प्रयास किया। उन्होंने समझौते और शांति का रास्ता खोजने की कोशिश की, लेकिन जब अन्याय और अहंकार के सामने कोई रास्ता नहीं बचा, तब धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष आवश्यक हो गया। इसका अर्थ यह नहीं कि हर विवाद का समाधान संघर्ष है। इसका अर्थ यह है कि शांति का प्रयास अपनी जगह जरूरी है, लेकिन अन्याय को स्थायी रूप से स्वीकार कर लेना भी समाधान नहीं हो सकता। समाज में न्याय तभी स्थापित होगा, जब गलत के सामने सही बात कहने का साहस पैदा होगा।

आज के समय में श्रीकृष्ण के इस संदेश को नए संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, सामाजिक भेदभाव, हिंसा, शोषण, पर्यावरण संकट और सार्वजनिक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता जैसी समस्याएं केवल कानून से समाप्त नहीं होंगी। इसके लिए नागरिकों के भीतर कर्तव्यबोध और नैतिक जिम्मेदारी भी विकसित करनी होगी। श्रीकृष्ण का कर्मयोग यही सिखाता है कि परिवर्तन की प्रतीक्षा करने के बजाय व्यक्ति स्वयं अपने हिस्से का सही कर्म करे।

श्रीकृष्ण का प्रकृति और पशुजगत से जुड़ा संबंध भी भारतीय सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोपाल के रूप में उनकी छवि मनुष्य और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध की याद दिलाती है। आज जब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और अनेक जीव-जंतु संकट में हैं, तब प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को धार्मिक भावना से आगे बढ़ाकर जीवन-मूल्य बनाना होगा। जन्माष्टमी का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हम अपने आसपास के पर्यावरण, पशुओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी निभाएं।

जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में होने वाले आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व से जुड़ते हैं। मंदिरों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। इन परंपराओं का अपना सांस्कृतिक महत्व है और इन्हें बनाए रखना आवश्यक भी है। लेकिन उत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन या धार्मिक औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए। पर्व तभी समाज को नई दिशा देते हैं, जब वे हमारे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जन्माष्टमी पर हम अपने भीतर के कृष्ण को पहचानने का प्रयास करें। इसका अर्थ किसी धार्मिक कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि विवेक, साहस, करुणा, न्याय और कर्म की उस चेतना को जगाना है, जिसकी आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। यदि कोई व्यक्ति अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार बनता है, अपने काम को ईमानदारी से करता है, कमजोर की सहायता करता है, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है और दूसरों की अच्छाइयों से सीखता है, तो वह श्रीकृष्ण के कर्मयोग को अपने जीवन में उतार रहा है।

वर्तमान समय में समाज को ऐसे ही कर्मयोग की जरूरत है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि श्रीकृष्ण महान थे। उनके महान होने का उत्सव मनाने से अधिक जरूरी है कि उनके जीवन से निकली प्रेरणाओं को वर्तमान जीवन की समस्याओं से जोड़ा जाए। आज यदि हम गीता पढ़ते हैं तो उसके कर्मयोग को समझें, यदि कृष्ण की पूजा करते हैं तो उनके न्यायबोध को याद रखें, यदि उनकी बाल लीलाओं का उत्सव मनाते हैं तो उनकी करुणा और सरलता को भी अपने जीवन में स्थान दें।

जन्माष्टमी हमें यह अवसर देती है कि हम अपने भीतर झांकें और पूछें कि हमारा कर्म किस दिशा में जा रहा है। क्या हम केवल अपने हित के बारे में सोच रहे हैं या समाज के प्रति भी हमारी कोई जिम्मेदारी है? क्या हम दूसरों की कमियां गिनाने में लगे हैं या उनकी अच्छाइयों को पहचान रहे हैं? क्या हम अन्याय देखकर चुप रहते हैं या उचित तरीके से उसका विरोध करते हैं? इन सवालों के जवाब ही जन्माष्टमी के वास्तविक अर्थ को सामने ला सकते हैं।

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि महानता परिस्थितियों से नहीं, दृष्टि और कर्म से पैदा होती है। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर परिस्थितियों का सामना किया और अपने कर्म से रास्ता बनाया। इसलिए जन्माष्टमी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम उत्सव की रोशनी को अपने आचरण तक पहुंचाएं। मंदिरों में दीप जलें, घरों में खुशियां आएं और मन में कृष्ण के कर्मयोग का प्रकाश भी जले। यदि जन्माष्टमी हमें अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार, अधिक न्यायप्रिय और अधिक कर्मठ बना सके, तभी इस पर्व का उत्सव वास्तव में सार्थक माना जाएगा।

कृष्ण जन्माष्टमी इसलिए केवल कैलेंडर की एक धार्मिक तिथि नहीं है। यह आत्मचिंतन का अवसर है, कर्म के प्रति जागने का अवसर है और उस जीवन-दृष्टि को अपनाने का अवसर है, जो व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और मानवता के लिए जीना सिखाती है। यही कृष्ण का संदेश है और यही जन्माष्टमी की सबसे बड़ी सार्थकता भी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

## संपादकीय

### एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है।

निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य-दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो-तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

# शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

ललित गर्ग

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में ह्यएक जैसी शिक्षाह्व की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए। आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है।

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

# मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

## शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें–

ऊँ शनैश्वराय नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

## चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सोमाय नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

## मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लेँ। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ भू पुत्राय नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

## बुध के लिए

बुधवार को छ: मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छ: सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बुधाय नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

## गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बृहस्पते नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

## शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लेँ। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ शुक्राय नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

## सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सूर्याय नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

## राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ राहवे नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

## केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ केतवे नम: जाग्रय स्थापय स्वाहा:

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

# कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अत: इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

# श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

# हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

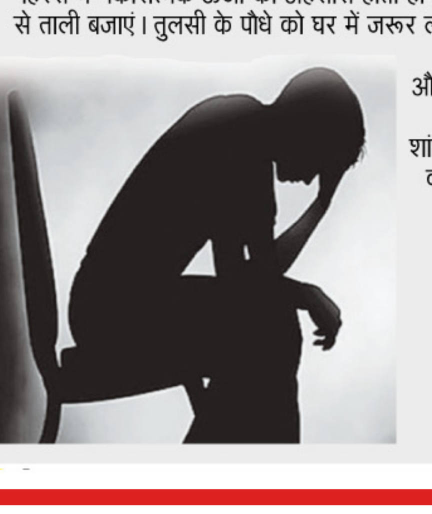

# घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

# सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

# आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रात- 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

- गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
- गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
- श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

# सूजन, इंफेक्शन और शुगर को कम करती हैं इमली की पत्तियां

इमली में औषधीय गुण होते हैं, इससे हम सभी वाकिफ हैं, लेकिन इमली की पत्तियां भी बेकार नहीं हैं। कई ऐसे घरेलू नुस्खे हैं, जिसमें इमली की पत्तियों का इस्तेमाल कर सेहत की समस्याओं में राहत मिलती है। इमली की पत्तियों में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। जब इमली की पत्तियों का रस निकाला जाता है और घावों पर लगाया जाता है, तो ये घाव को तेजी से ठीक करता है। इसके पत्तों का रस किसी भी अन्य संक्रमण और परजीवी विकास को रोकता है। इसके अलावा यह नई कोशिकाओं का निर्माण भी तेजी से करता है।

- इमली की पत्तियों के अर्क से स्तनपान कराने वाली माताओं में स्तन के दूध की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इमली की पत्तियों का अर्क जननांग के संक्रमण को रोकता है और इसके लक्षणों से राहत प्रदान करने में भी उपयोगी है।
- इमली की पत्ती विटामिन सी का भंडार होती हैं, जो कि किसी भी सूक्ष्मजीव के संक्रमण से शरीर की रक्षा करती है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।
- पत्तियों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए पपीता, नमक और पानी को पत्तियों में मिलाया जा सकता है, लेकिन, सुनिश्चित करें कि आप बहुत अधिक नमक का उपयोग नहीं करते हैं।
- इमली की पत्तियों में सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं और जोड़ों के दर्द और अन्य सूजन के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इमली की पत्तियों का सेवन करने से शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और इंसुलिन संवेदनशीलता भी बढ़ जाती है। इससे शुगर की बीमारी (मधुमेह) में राहत मिलती है। यह पीलिया को ठीक करने में भी मदद करती है।
- स्कर्वी विटामिन सी की कमी के कारण होता है। यह नाविक की बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, आमतौर पर स्कर्वी मसूड़ों और नाखूनों,

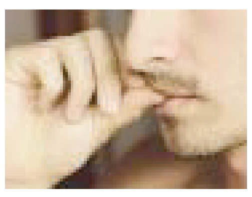

थकान आदि जैसे लक्षणों के साथ होता है। इमली के पत्तों में उच्च एस्कॉर्बिक एसिड सामग्री होती है, जो एंटी-स्कर्वी विटामिन के रूप में कार्य करती है।

# घर में मैनीक्योर करते समय न करें ये गलतियां

घर में मैनीक्योर करने की विधि के वक्त आप गलतियां न करें, उसके लिए उन्हें जान लेना जरूरी है।

## नाखूनों को ज्यादा छोटा न करें

कई बार महिलाएं नाखूनों को ज्यादा छोटा कर देती हैं। जरूरी नहीं कि मैनीक्योर के वक्त नाखूनों को काटना ही हैं। अगर आपके नाखून पहले से ही छोटे हैं, तो उन्हें न काटें। बस फाइल के जरिए उन्हें सही आकार दें। अगर आपके नाखून बहुत लंबे हैं, तो बस उन्हें आधा काटें और फिर उन्हें सही आकार दें। नाखूनों को बहुत छोटा करने से लुक खराब हो सकता है।

## क्यूटिकल्स को ट्रिम करने से बचें

क्यूटिकल त्वचा कोमल होती है। आपको उन्हें पूरी तरह से काटने की आवश्यकता नहीं है, बस उन्हें थोड़ा पीछे कर दें। अगर आपको लगता है कि आपको बहुत क्यूटिकल है तो हर दिन नहाते वक्त उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश करें। जब आप शॉवर लेते हैं, तो आपके क्यूटिकल्स नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें पीछे धकेलना आसान हो जाता है।

## फाइलर का उपयोग ध्यान से करें

अपने नाखूनों को आकार देने के लिए फाइलर का उपयोग ध्यान से करें। फाइलर को हर दिशा में न घुमाएं, बल्कि जब आप एक तरफ से नाखून को फाइल करना शुरू करते हैं, तो उसी तरफ से पूरे नाखून को फाइल करें।

## नाखूनों को अच्छे से साफ करना न भूलें

नेल पॉलिश लगाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके नाखूनों में मॉइस्चराइजर, पानी या गंदगी तो नहीं है। उन्हें अच्छी तरह से साफ करने के लिए एक लिंट-फ्री वाइप और नॉन-एसीटोन नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल करें।

## नेल पोलिश की ज्यादा मोटी लेयर न लगाएं

जब नेल पॉलिश लगाएं, तो ध्यान रहे कि आप नेल पॉलिश की ज्यादा मोटी परत न लगाएं और लगातार दो कोट न लगाएं, वरना पॉलिश खराब हो सकती है। एक कोट लगाने के बाद जब नेल पॉलिश सूख जाए, तो दूसरा कोट लगाएं। नाखूनों को मोड़कर नेल पॉलिश न लगाएं, नहीं तो आपकी नेल पॉलिश खराब हो सकती है। इसके अलावा, ध्यान रहे कि आप नाखूनों के कोने से लेकर सिरे तक अच्छे से नेल पॉलिश लगाएं।

जब आपको सही तरीके से मैनीक्योर करने की विधि पता हो और आपके पास मैनीक्योर की सामग्री मौजूद हो, तो घर में मैनीक्योर करना बहुत आसान हो जाता है। इससे न सिर्फ वक्त बचता है, बल्कि पैसे की भी काफी बचत हो सकती है। इन तमाम नियमों का पालन कर आप घर में खुद से मैनीक्योर करके देखें और हमारे साथ अपने अनुभव कमेंट बॉक्स में शेयर करना न भूलें। इसके अलावा, अगर आपके पास भी मैनीक्योर एट होम के कुछ अन्य टिप्स हैं, तो हमारे साथ जरूर शेयर करें।

# रेसिपी

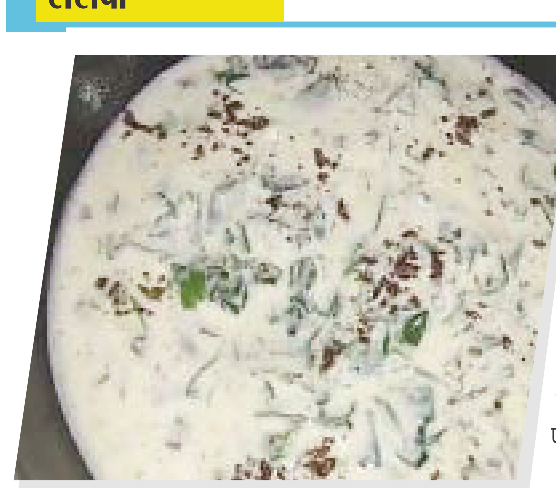

## मेथी का रायता

### सामग्री

■ ताजी मेथी: 50 ग्राम ■ गाढ़ा दही: 1 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ लहसुन की कलियां: 4-5 बारीक कटी ■ चाट मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक: 1/2 टीस्पून ■ चीनी: 1/4 टीस्पून ■ रेड चिली पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून ■ धनिया पत्ती: 1 टेबलस्पून बारीक कटी

### विधि

बोल में दही निकालकर उसमें थोड़ा पानी मिलाकर अच्छी तरह चलाकर अलग रख दें। फ्राइंगपैन में एक टेबलस्पून ऑलिव डालकर गर्म करें। इसमें प्याज, लहसुन और मेथी डालकर भून लें। ऊपर से नमक, चीनी, रोस्टेड जीरा और चाट मसाला डालकर मिलाएं। तड़का लगाने के लिए तड़के की सामग्री एक-एक कर डालें और दही वाले बोल में डालकर मिलाएं। धनिया से गार्निश करें।

## स्पाइसी बीन कबाब

### सामग्री

■ आधा प्याज बारीक कटा हुआ ■ 4-6 बारीक कटा लहसुन ■ उबला व बचा हुआ राजमा : 2 कप ■ ओट्स: 1 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स आधी हैलेपीन्यो (पिज्जा में इस्तेमाल होने वाली विनेगर वाली मिर्च): 1/2 कप ■ कॉर्न : 1/2 कप ■ रेडीमेड स्पाइसी मस्टर्ड सॉस: 2 टेबलस्पून ■ रोस्टेड जीरा: 1 टेबलस्पून ■ सोय सॉस: 1/4 कप ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक और काली मिर्च पाउडर स्वाद के अनुसार ■ कुछ धनिया

### विधि

एक बड़े बोल में सारी सामग्री डालकर एक साथ मिलाएं। इस मिश्रण में मनचाहे आकार के कबाब बनाकर दो घंटे के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। अब फ्रिज से निकालकर इन्हें शैलो फ्राई कर लें। तैयार कबाब को हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा)
पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

## काकुरो पहेली - 2576

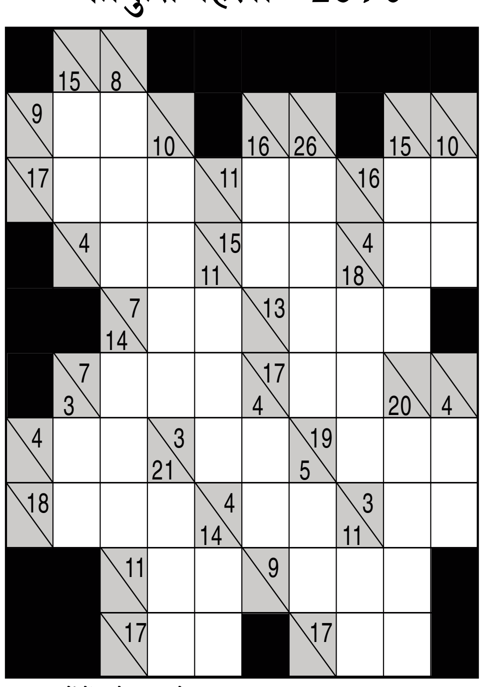

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

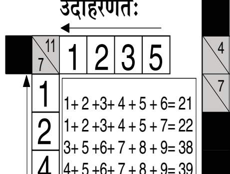

1+2+3+4+5+6= 21
1+2+3+4+5+7= 22
3+5+6+7+8+9= 38
4+5+6+7+8+9= 39

### काकुरो - 2575 का हल

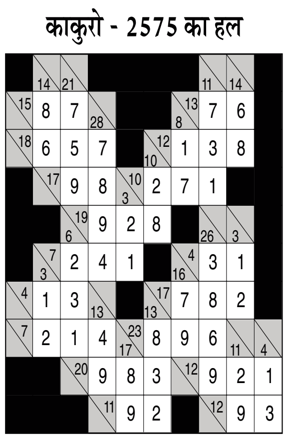

## लॉफिंग ज़ोन

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'

दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी. आज उससे भी ज्यादा मंदा है.'

सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'

दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई.'

☺ ☺ ☺

एक मूर्ख संग्रहालय देखने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा गया. मूर्ति टूट गयी. संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से से बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'

मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था.

☺ ☺ ☺

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं.

पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगों को खाना खिला देते हैं.

हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है. तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है. वैसे तेरे पति करते क्या हैं? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा.

'वे एक होटल मे वेटर है.' पहली महिला ने जवाब दिया.

## फिल्म वर्ग पहेली- 2576

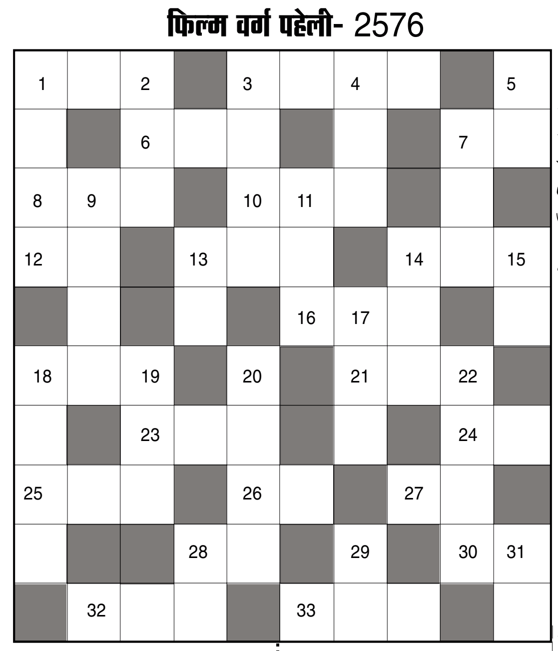

**बायें से दायें:-**

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 2575

## सूडोकु -2576

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | | | | 1 | | |
| | | | | 2 | 5 | 7 | 3 | |
| | 9 | 4 | | 6 | 7 | | | 2 |
| | 5 | | 4 | | 3 | | | 9 |
| | 8 | | | 9 | | | 7 | |
| 1 | | | 6 | | 8 | | 2 | |
| 6 | | | 7 | 4 | | 9 | 5 | |
| | 4 | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | | 8 | | | | 6 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2575 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |

## शब्द पहेली - 2576

**बाएँ से दाएँ**

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

**ऊपर से नीचे**

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

### शब्द पहेली - 2575 का हल

## वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की स्कूटी बरामद, ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से खुलासा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अशोक विहार इलाके से चोरी हुई होंडा एक्टिवा बरामद की है। जांच में सामने आया कि यह स्कूटी करोल बाग थाने में दर्ज चोरी के मामले से संबंधित है। ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से नियमित वाहन जांच के दौरान चोरी के वाहन का पता चला। दिल्ली ट्राफिक पुलिस ने बताया कि अशोक विहार ट्रैफिक सर्किल के कर्मचारी कंप्यूटर मार्केट में नियमित वाहन जांच कर रहे थे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने एक संदिग्ध स्कूटी को रोककर उसके दस्तावेज और नंबर की जांच की। नंबर का सत्यापन कराने पर वाहन के चोरी होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद स्कूटी को कब्जे में लेकर संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के अनुसार, बरामद वाहन सफेद रंग की होंडा एक्टिवा है। यह करोल बाग थाने में दर्ज ई-एफआईआर संख्या 019520, दिनांक 20 अगस्त 2026 से संबंधित चोरी का वाहन है। पुलिस के मुताबिक, वाहन की पहचान एएसआई रवि प्रकाश की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से हुई। उन्होंने जांच के दौरान स्कूटी को रोककर उसके नंबर का सत्यापन कराया, जिसके बाद चोरी की घटना का खुलासा हुआ।

## योगी सरकार की संवेदनशील पहल, डीएम खुद ट्राइसिकिल लेकर पहुंचे रागिनी के दरवाजे

**बलिया।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना रहा है कि सुशासन की असली परीक्षा तब होती है जब वह समाज के सबसे कमजोर और वंचित वर्ग तक बिना किसी बाधा के पहुंचे। बलिया जिले में सामने आई एक घटना इस सोच को हकीकत में बदलने का प्रमाण है। जिले मनियर ब्लॉक की दिघेड़ा ग्रामसभा के रानीपुर गांव में रहने वाली सात वर्ष की रागिनी एक पैर से दिव्यांग है लेकिन उसकी पढ़ाई की जिद और परेशानी की खबर मिलते ही जिलाधिकारी खुद उसके घर जा पहुंचे और ट्राइसिकिल देकर इलाज की व्यवस्था कराई। प्राथमिक विद्यालय दिघेड़ा में कक्षा एक की छात्रा रागिनी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद हर दिन स्कूल जाती थी। परिवार की आर्थिक तंगी और गांव की टूटी-फूटी सड़कों के बीच उसका यह सफर आसान नहीं था, लेकिन पढ़ाई को लेकर इसके हौसले में कमी नहीं आई। जब यह मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आया तो बिना देर किए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह विभागीय अधिकारियों की टीम के साथ सीधे रागिनी के घर पहुंचे और उसकी मां बबीता देवी व दादा से आत्मीयता से बातचीत की।

## इंडो-जर्मन गेटवे कार्यक्रमः एमएसएमई मंत्री से मिला जर्मन प्रतिनिधिमंडल

**लखनऊ।** इंडो-जर्मन गेटवे प्रोग्राम के तहत उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने एमएसएमई को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस संबंध में जर्मनी से आए प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश और जर्मनी के बीच व्यापार, निवेश, तकनीकी सहयोग और एमएसएमई के अंतरराष्ट्रीय विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश में निवेशकों के लिए भरोसेमंद और पारदर्शी कारोबारी वातावरण तैयार किया गया है। देश के कुल एमएसएमई का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा यूपी में है और लगभग एक करोड़ एमएसएमई इकाइयां यहां कार्यरत हैं। कृषि के बाद रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र एमएसएमई है।

## छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सली डंप से हथियार, बीजीएल सेल एवं अन्य सामग्री बरामद

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में थाना भोपालपटनम को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम नीलमडगु के जंगल में नदी किनारे नक्सलियों द्वारा संदिग्ध सामग्री छिपाकर रखी गई है। पुलिस अधिकारियों ने` तत्काल संयुक्त सुरक्षाबलों की टीम को मौके के लिए रवाना किया। सुरक्षाबल ने नीलमडगु के जंगल और आस-पास के संभावित क्षेत्रों में सावधानी पूर्वक सर्चिंग अभियान चलाया। इसी दौरान नदी किनारे एक कटे हुए पेड़ के भीतर छिपाकर रखा गया हथियार एवं गोला-बारूद का नक्सली डंप बरामद हुआ। बरामद नक्सली डंप से 12 बोर का एक देशी बंदूक, एक टूटी हुई बीजीएल राइफल, 08 बीजीएल सेल, 10 जिंदा राउंड, देशी कट्टा सेल कैप के 3 नग, एक पेंचिस तथा एक पिट्ठू बैग शामिल है। बीजापुर एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि लगातार संवेदनशील क्षेत्रों में सर्चिंग एवं सुरक्षा गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, आगे भी सर्चिंग अभियान जारी रहेगा।

# जन्माष्टमी पर बिरला मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

### मोबाइल और खाने का सामान ले जाना प्रतिबंधित

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर को लक्ष्मी नारायण मंदिर (बिरला मंदिर) में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए नई दिल्ली जिला पुलिस ने सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश केवल निर्धारित मंदिर मार्ग से ही दिया जाएगा। मंदिर मार्ग तक पहुंचने के लिए कालीबाड़ी मार्ग या पेशवा रोड का इस्तेमाल किया जा सकेगा। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) लगाए गए हैं। पुलिस ने श्रद्धालुओं से सुरक्षा जांच के दौरान पुलिस और सुरक्षा कर्मियों का सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मंदिर परिसर में हैंडबैग, ब्रीफकेस, पार्सल, खाने के पैकेट, कैमरा, मोबाइल फोन और अन्य बैटरी से चलने वाले उपकरण लेकर मंदिर न आएं। मंदिर में प्रवेश से पहले श्रद्धालुओं को जूते-चप्पल उतारने होंगे। इसके लिए मंदिर प्रशासन की ओर से कालीबाड़ी मार्ग के पास और पेशवा रोड पर हिंदू महासभा कार्यालय के बगल में जूते-चप्पल रखने की सुरक्षित व्यवस्था की गई है। पुलिस के मुताबिक, गीता भवन और वाटिका में प्रवेश केवल मंदिर के मुख्य गेट से दिया जाएगा। परिसर के बाकी सभी प्रवेश द्वार बंद रहेंगे। श्रद्धालुओं के बाहर निकलने के लिए भी अलग-अलग रास्ते निर्धारित किए गए हैं।

कालीबाड़ी मार्ग की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं को वाटिका-गीता भवन एग्जिट लेन (वाटिका ओपनिंग) से बाहर निकलना होगा। वहीं पेशवा रोड की तरफ जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए गीता भवन की ओर स्थित गेट नंबर-3 को केवल निकास के लिए खोला जाएगा। इस गेट से अंदर आने की अनुमति नहीं होगी। श्रद्धालुओं की भीड़ और पैदल आवाजाही को सुरक्षित बनाए रखने के लिए मंदिर मार्ग के कुछ हिस्सों में वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। पुलिस के अनुसार पंचकुइयां रोड के राउंडअबाउट, कालीबाड़ी मार्ग के पार्क स्ट्रीट राउंडअबाउट, उद्यान मार्ग और पेशवा रोड के बीच मंदिर मार्ग पर किसी भी वाहन को चलने की अनुमति नहीं होगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के मुख्य गेट के पास असिस्टेंस बूथ बनाया गया है। यहां श्रद्धालु किसी भी तरह की जानकारी या सहायता के लिए संपर्क कर सकेंगे। नई दिल्ली जिला पुलिस ने श्रद्धालुओं से सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने और निर्धारित प्रवेश-निकास मार्ग का इस्तेमाल करने की अपील की है। पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुखद श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं।

## उचित संरक्षण पाने पर सामान्य गुण भी परम श्रेष्ठता और प्रतिष्ठा प्राप्त करता हैः प्रधानमंत्री मोदी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को साझा सुभाषितम् में उचित संरक्षण पाने पर सामान्य गुण भी परम श्रेष्ठता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने संस्कृत के एक श्लोक को 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा, 'पात्रविशेषे न्यस्तं गुणान्तरं व्रजति शिल्पमाधातुः। जलमिव समुद्रशुक्तौ मुक्ताफलतां पयोदस्य।।' जिसका अर्थ है, व्यक्ति या वस्तु की सार्थकता और उसका उत्थान इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस प्रकार के पात्र या परिवेश को प्राप्त करती है। जिस प्रकार साधारण जल भी सीप के संपर्क में आने से अमूल्य मोती बन जाता है, उसी प्रकार उचित और सुयोग्य आश्रय

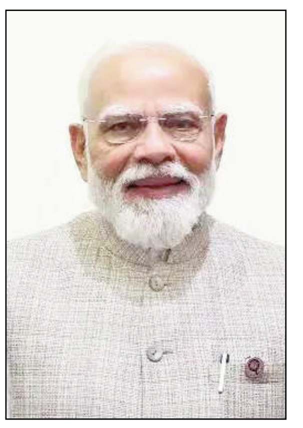

मिलने पर सामान्य गुण भी परम श्रेष्ठता और प्रतिष्ठा को प्राप्त कर लेते हैं।

## आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसान होंगे समृद्ध : ज्योतिरादित्य सिंधिया

### ग्वालियर में बलराम जयंती महोत्सव में शामिल हुए केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

**एजेंसी**

**भोपाल।** केंद्रीय दूरसंचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ड्रोन जैसी अन्य आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसानों को समृद्ध बनाने का संकल्प लिया है। हमारे किसान अन्न उगाते हैं, तभी देशवासियों को अनाज मिलता है। आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसान समृद्ध होंगे।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हल षष्ठी (बलराम जयंती) के अवसर पर आयोजित बलराम जयंती महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। इस अवसर पर ऑनलाइन किसान क्रेडिट कार्ड पोर्टल का शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है। आज भगवान बलराम की जयंती के अवसर पर महोत्सव ग्वालियर में हो रहा है। यहां सहकारिता सम्मेलन का भी आयोजन हो रहा है। सहकारिता से देशभर

के किसानों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों का सम्मान ग्वालियर अंचल की विरासत रही है। ग्वालियर-चंबल में बने बांध और जलाशयों से खेती समृद्ध हो रही है। श्योपुर क्षेत्र को नैरोगेज रेल लाइन से जोड़ा गया, ताकि किसान ग्वालियर में अपना अनाज बेंच पाएं। अब इस रेलवे लाइन को ब्रॉड गेज करने पर तेजी से काम हो रहा है। बहुत जल्द यह लाइन ग्वालियर से कोटा तक पहुंचेगी। सिंधिया ने कहा कि अक्षय ऊर्जा भविष्य में किसानों को समृद्ध बनाएगी। उन्होंने कहा कि भगवान बलराम का नाम शंकरषण भी था। भगवान ने नंद और वासुदेव जी के परिवार को एक किया था। उन्होंने हल से बनी रेखाओं के माध्यम से समाज को संगठित होने का संदेश दिया था। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रदेश के किसानों को किसान सम्मान निधि के रूप में प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये मिलते हैं। इस योजना के माध्यम से अब तक पौने पांच लाख करोड़ रुपये किसानों के खातों में पहुंचे हैं। प्रदेश में अब 60 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंचाई का रकबा 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

## जेपीएससी में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति कब तक होगी

### 10 सितंबर तक बताए सरकार : झारखंड हाईकोर्ट

**एजेंसी**

**रांची ।** झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में वन विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी के मामले में स्वतः संज्ञान से दर्ज याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से पूछा है कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति कितने समय में पूरी की जाएगी। अदालत ने सरकार को 10 सितंबर तक इस संबंध में स्पष्ट जानकारी देने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल और अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने अदालत को बताया कि असिस्टेंट कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट (एसीएफ) और रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर (आरएफओ) की नियुक्ति के लिए चल रही परीक्षा प्रक्रिया सरकार की ओर से रद्द कर दी गई है। इस पर अदालत ने

सरकार से जेपीएससी में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया की समय-सीमा बताने को कहा। अदालत पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि जेपीएससी एक संवैधानिक संस्था है और इसका अध्यक्ष पद लंबे समय तक रिक्त नहीं रखा जा सकता। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने सरकार के अधिवक्ता को सरकार से निर्देश लेकर यह बताने को कहा था कि जेपीएससी के अध्यक्ष की नियुक्ति कब तक कर दी जाएगी। अदालत ने वन विभाग में रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए आयोग के कामकाज को सुचारु रखना जरूरी माना था। पिछली सुनवाई में जेपीएससी की ओर से अदालत को बताया गया था कि वन विभाग में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। एसीएफ और आरएफओ के लिए प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा पूरी हो चुकी थी।मुख्य परीक्षा का परिणाम भी जारी किया गया था और शारीरिक दक्षता परीक्षा की तारीख घोषित की गई थी। आयोग की ओर से अदालत को बताया गया था कि एसीएफ और आरएफओ की परीक्षा प्रक्रिया ही सरकार की ओर से रद्द कर दी गई है। इससे वन विभाग में लंबे समय से खाली पदों को भरने की प्रक्रिया को लेकर स्थिति बदल गई है।

## स्वरा भास्कर के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

### कहा-24 घंटे में माफी मांगो वरना पूरे देश में होगा आंदोलन

**एजेंसी**

**पटना ।** अभिनेत्री स्वरा भास्कर इन दिनों जौहर को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भारी विवाद का सामना कर रही हैं। गुरुवार को पटना में सामाजिक संगठनों ने इस पर काफी नाराजगी जताई। उन्होंने अभिनेत्री की तस्वीर पर कालिख भी पोती। सामाजिक संगठनों ने आईएएनएस के साथ बातचीत में अभिनेत्री को माफी मांगने के लिए कहा है। उनका कहना है कि अगर स्वरा भास्कर ऐसा नहीं करती हैं तो वे देशभर में भारी प्रदर्शन करेंगे। वहां मौजूद प्रदर्शनकारी कृष्ण कुमार (कल्लू) ने कहा, 'अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने जिस तरह क्षत्राणी महिलाओं के लिए अपमानित शब्द इस्तेमाल किए हैं, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इसलिए हमने स्वरा भास्कर की तस्वीर पर कालिख पोतकर विरोध जताया है। अगर 24 घंटे के अंदर वे माफी नहीं मांगेगी, तो पूरे देश में आंदोलन किया जाएगा।' प्रदर्शनकारी भाई चंदन ने कहा, 'स्वरा भास्कर को इस तरह हमारी कहता हूं कि तुम्हें जाना है तुम जाओ। वे महिलाएं और कुर्बानी देने वाले लोग हमारे लिए अमर हैं, हमारे लिए पूजनीय है। उनकी वजह से

क्षत्राणी महिलाओं के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी। जिन मां-बहनों और भारत के लिए कुर्बानी देने वालों के लिए उन्होंने यह बात कही है, आज हम उनकी वजह से ही यहां खड़े हैं। वे कहती हैं कि अगर क्षत्राणी महिलाओं को ऐसा नहीं करना चाहिए था। अगर मैं होती तो उनके हरम में चली जाती तो मैं यह हम लोग खुली हवा में सांस ले रहे हैं।' सीमा कर्ना ने कहा, 'स्वरा भास्कर का बयान अपमानजनक है। क्षत्रिय महिलाओं ने हमारे लिए जौहर किया था, उनके लिए ऐसे गंदे शब्दों का वो कैसे इस्तेमाल कर सकती हैं। उन्हें इतनी बुद्धि तो होनी चाहिए। आखिर वह भी एक महिला है। इस लिहाज से तो वे इज्जत दे ही सकती हैं।

## किसान मोर्चाःहजारों ट्रैक्टर के साथ डटे किसान

### खाना बनाने को दिहाड़ी पर लाई गई महिलाएं; लंबी लड़ाई की तैयारी

**एजेंसी**

**चंडीगढ़-मोहाली।** पंजाब के किसानों ने चंडीगढ़-मोहाली सीमा पर अपनी मांगों को लेकर एक बड़ा मोर्चा लगा दिया है। इस आंदोलन में पूरे पंजाब से हजारों की संख्या में ट्रैक्टर और ट्रालियां पहुंच चुकी हैं। किसान नेताओं ने भले ही इसे सात दिन का मोर्चा बताया है। हालांकि, किसान लंबी लड़ाई के लिए पूरी तैयारी के साथ डटे हुए हैं। किसानों ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं होने पर किसानों ने इसका सख्त नोटिस लिया है। मोर्चे ने 4 सितंबर को वरिष्ठ पदाधिकारियों की अहम बैठक बुलाई है। बैठक के बाद आंदोलन को लेकर बड़ा एलान किया जा सकता है।

किसानों ने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ सड़क के एक हिस्से पर पहले ही डेरा डाल दिया था। अब

दूसरे हिस्से में भी किसानों का जमावड़ा बढ़ने लगा है। इसके चलते मोहाली-चंडीगढ़ सीमा और आसपास के मार्गों पर जाम जैसे हालात बने रहे। महापंचायत में किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि अपने अधिकारों की लड़ाई वे जारी रखेंगे। सुबह तीन बजे के करीब एक किसान ने बताया कि उन्हें नेताओं ने सात दिन का मोर्चा कहा है। हालांकि, वे पूरी तैयारी के साथ आए हैं। नेताओं के निर्देश पर वे छह महीने या साल भर भी रुकने को तैयार हैं। मोर्चे पर लंगर की व्यवस्था की गई है, जिसके लिए महिलाएं भी दिहाड़ी पर काम कर रही हैं। एक किसान ने बताया कि वह अपने गांव से 35 ट्रैक्टर और ट्रालियां लेकर आया है। किसानों का कहना है कि यदि सरकार उनकी मांगें नहीं मानती तो यह आंदोलन लंबा चलेगा। पुलिस और प्रशासन इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यह मोर्चा स्थायी न हो जाए। आंदोलन में किसानों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

महापंचायत को देखते हुए चंडीगढ़-मोहाली सीमा और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती की गई। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। किसानों की बढ़ती भीड़ के कारण कुछ मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा और वाहन चालकों को परेशानी हुई। देर शाम तक किसान धरनास्थल पर डटे रहे। रात गहराती रही और चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर किसानों का धरना चलता रहा। दिनभर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करने वाले किसानों ने रात धरनास्थल पर ही गुजारी।

## चित्रकूट में मंदाकिनी की बाढ़ में फंसे 150 लोगों को सुरक्षित निकाला

### बाढ़ के बीच देवदूत बने पीएसी जवान, प्रशासन ने पहुंचाई भोजन-राहत के साथ चिकित्सा सहायता भी

### योगी सरकार का राहत तंत्र सतर्क

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राहत एवं बचाव कार्य लगातार पूरी तत्परता के साथ संचालित किए जा रहे हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में अचानक आई बाढ़ के बीच योगी सरकार का मजबूत राहत तंत्र एक बार फिर लोगों के लिए सहारा बना। प्रशासन और पीएसी के जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाढ़ के पानी में फंसे करीब 150 लोगों को सुरक्षित निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। चित्रकूट के थाना पहाड़ी क्षेत्र के ग्राम चौरा में मंदाकिनी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई लोग बाढ़ के पानी में फंस गए थे। सूचना मिलते ही बाढ़ राहत दल ने बिना समय गंवाए मौके

पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी प्रयागराज के बी दल की बाढ़ राहत ड्यूटी में तैनात प्लाटून ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से मोटरबोट के जरिए प्रभावित लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। साथ ही उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, संबंधित लेखपाल और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बाढ़ प्रभावित लोगों को आवश्यक राहत सामग्री और भोजन उपलब्ध कराया गया। जरूरतमंद लोगों का मेडिकल परीक्षण कराने के साथ उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सहायता भी उपलब्ध कराई गई।

**1528 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया**

राहत आयुक्त कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को प्रदेश के 32 जिले अब तक बाढ़ से प्रभावित हुए, जबकि 22 जिलों में फिलहाल बाढ़ का प्रभाव दर्ज किया गया है। राहत एवं बचाव अभियान के तहत 1,528 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक राहत नेटवर्क तैयार किया है। प्रदेश में मंलगवार को 742 बाढ़ चौकियां, 452 नाव एवं मोटरबोट व 225 मेडिकल टीमें सक्रिय रहीं। वहीं 105 शरणालय में 2,460 लोगों ने शरण ली है।

**16 हजार से अधिक लंच पैकेट बांटे**

प्रभावित परिवारों तक भोजन और आवश्यक सामग्री पहुंचाने का अभियान भी लगातार जारी है। मंगलवार को 1,640 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट वितरित किए गए। साथ ही 16,190 लंच पैकेट भी बांटे गए। 18 हजार से अधिक क्लोरिन पैकेट, 7 हजार से अधिक ओआरएस पैकेट का भी वितरण किया गया। इसके अलावा 310 क्विंटल भूसा वितरित किया गया।

## बाढ़ प्रभावितों के साथ खड़ी योगी सरकार, राहत अभियानों के तहत 3.36 लाख लंच पैकेट वितरित

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत और बचाव अभियान को पूरी ताकत के साथ जारी रखा है। प्रभावित परिवारों तक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने के साथ बड़े पैमाने पर रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 68,953 खाद्यान्न पैकेट और 3.36 लाख से अधिक लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। 1,499 नाव एवं मोटरबोट राहत-बचाव में लगाई गई हैं और अब तक 16,784 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5.02 लाख से अधिक क्लोरीन टैबलेट और 1.77 लाख से अधिक ओआरएस पैकेट भी वितरित किए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त के मुताबिक 35 जिले अब तक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जबकि 23 जिलों में अब भी इसका असर है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अयोध्या, आजमगढ़, बलिया, बाराबंकी, बदायूं, चंदौली, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, प्रयागराज, रायबरेली, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर, सीतापुर, सोनभद्र, उन्नाव और वाराणसी में युद्धस्तर पर राहत-बचाव कार्य चल रहा है। प्रशासन को संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी और तत्काल सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। बचाव अभियान के तहत अब तक बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे 16,784 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। बुधवार को ही 3,042 लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। जलमग्न क्षेत्रों में फंसे लोगों को निकालने के लिए नावों और मोटरबोट्स का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन बाधित होने के बावजूद राहत टीमों की पहुंच सुनिश्चित की गई है। अब तक 1,499 नावों एवं मोटरबोट्स का प्रयोग किया जा चुका है। इससे बचाव दलों को प्रभावित गांवों और जलभराव वाले क्षेत्रों में फंसे लोगों को निकालने तथा जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने में मदद मिल रही है।

सीपीएल 2026

## क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

**सेंट किट्स ।** वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

## सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

**दुबई ।** पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

# ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

### यूएस ओपनः लोरेंजो सोनेगो को 5 सेट चले मुकाबले में हराया

**न्यूयॉर्क (एजेंसी)।** टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

### फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है। अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

## कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

**न्यूयॉर्क ।** कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6-4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार-चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6-0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6-2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन-ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-3, और 6-1 से हराया।

दलीप ट्रॉफी

## तिलक वर्मा ने खेली अर्धशतकीय पारी

**बेंगलुरु ।** दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

विमेंस एशिया कप

## पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

**दुबई ।** पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

## एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने के पक्ष में नहीं बीसीसीआई

### आईओए से लगाई गुहार, खुद उठाएगा हवाई खर्च

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** एशियाई खेलों के दौरान होटल के एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराए जाने की व्यवस्था से बीसीसीआई खुश नहीं है। बीसीसीआई ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से गुहार लगाई है कि आयोजकों से बात कर एक क्रिकेटर को एक कमरे में ठहराने की व्यवस्था की जाए। आईओए ने इसे आयोजकों तक पहुंचा दिया है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्र बताते हैं कि सितारे भारतीय क्रिकेटरों के रहने में कोई दिक्कत नहीं आए, इसके लिए बीसीसीआई की एक टीम जल्द ऐची-नागोया का दौरा करेगी। इसके बाद ही बीसीसीआई फैसला लेगी कि क्रिकेटरों को आयोजकों की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे होटल में ठहरना है या फिर उन्हें अपने खर्च पर होटल की व्यवस्था करनी है। बोर्ड ने यह भी फैसला लिया है कि एशियाड में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा का खर्च वह खेल मंत्रालय से नहीं लेगा और अपने खर्च पर बिजनेस क्लास में क्रिकेटरों को जापान भेजेगा।

### इकोनॉमी क्लास से जाते हैं खिलाड़ी

इस बार खेलों में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुख्य टीम भेजी जा रही है, जिसमें बुमराह, अभिषेक शर्मा जैसे क्रिकेटर हैं। बीसीसीआई क्रिकेटरों को अमूमन बिजनेस क्लास में या फिर चार्टर्ड फ्लाइट में यात्रा कराता है। खेल मंत्रालय खेलों के लिए भारतीय दल का खर्च उठाते हुए खिलाड़ियों को इकोनॉमी क्लास में यात्रा कराता है। सूत्र बताते हैं कि बीसीसीआई ने आईओए से कहा है, वह क्रिकेटरों की यात्रा का खुद खर्च उठाएगा। आईओए ने 50 क्रिकेटरों और सपोर्ट स्टाफ पर दो करोड़ 34 लाख का खर्च तय किया था। इनमें यात्रा, दैनिक भत्ता, सेरिमोनियल-प्लेइंग किट का खर्च शामिल है।

### महिला टीम को अलग होटल में ठहराया जाएगा

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला टीम को 14 सिंतबर को नगोया पहुंचना है, जबकि उनकी वापसी 23 सितंबर की है। पुरुष टीम 21 को पहुंच रही है और चार अक्तूबर को वापसी कर रही है। पुरुष टीम को नगोया के एपीए होटल और महिला टीम को मेइतेत्सु ग्रांड होटल में ठहराया जा रहा है। आयोजकों ने एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने की व्यवस्था की है। सूत्र बताते हैं कि आयोजकों ने कुछ दिन पूर्व एशियाड में आने वाले सभी देशों को बताया है कि उनकी ओर से 15 हजार खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह 17 हजार पहुंच चुकी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि बीसीसीआई की मांग पूरी नहीं हो पाएगी।

### सितारे भी रुकते हैं गेम्स विलेज में

एशियाड में इस बार गेम्स विलेज जैसो कोई व्यवस्था नहीं है। क्रूज शिप, कंटेनरों के अलावा होटलों में खिलाडियों को ठहराने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, ओलंपिक जैसे आयोजनों में नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल, मैजिक जान्सन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे सबके साथ गेम्स विलेज में ठहरने को वरीयता देते आए हैं। अब यह देखना होगा कि बीसीसीआई आयोजकों की और से दिए गए होटल में क्रिकेटरों को उहराती है या अपनी ओर से इंतजाम करती है।

## हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज: अहमदाबाद में होगा आयोजन, 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

**अहमदाबाद(एजेंसी)।** भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफी सफल तरीके से आयोजित करा रहा है. जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी कीअब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी) पैरा सीरीज की मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी. जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है. अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।

## इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

**कोलंबो ।** श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये

खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिंडू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और बिनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं। पहले टी20 सीरीज खेली जानी है। पहला टी20 15 सितंबर को साउथैम्प्टन में, दूसरा 17 सितंबर को कार्डिफ में और तीसरा 19 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 22 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट, दूसरा 24 सितंबर को लीड्स और तीसरा 27 सितंबर को 'द ओवल' खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम 5 सितंबर को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

## शतकीय पारी के बाद भी डी कॉक की टीम को करना पड़ा हार का सामना

**सेंट किट्स ।** वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए।

# शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा

**'मुंज्या' की सफलता के बाद अभय वर्मा के लिए शोहरत के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। वह कहते हैं कि सफलता ने उनकी भूख कम नहीं की, बल्कि सपनों को और बड़ा कर दिया। शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा।**

**ख'मुंज्या' की सफलता के बाद क्या अब दबाव महसूस होता है?**

दबाव नहीं कहूंगा, लेकिन जिम्मेदारी जरूर बढ़ गई है। सफलता के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं और आपको अगली बार और मेहनत करनी पड़ती है। मुझे याद नहीं कि पिछली बार आठ घंटे कब सोया था। लेकिन मेरे सपने मुझे सोने नहीं देते। मैंने एक खूबसूरत बात सुनी थी कि अगर आपको पता हो कि आप फेल नहीं होंगे तो आप कितना बड़ा सपना देखेंगे? इसलिए अब मैंने अपने सपनों की कोई लिमिट नहीं रखी है। आराम बाद में होता रहेगा। अभी मैं अपने दर्शकों का प्यार और बड़ा करना चाहता हूं।

**आज की तारीख में आपको सबसे ज्यादा खुशी किस चीज से मिलती है?**

लोगों का प्यार मेरी सबसे बड़ी खुशी है। मैं इसे एक अमानत मानता हूं। दर्शक जब चाहें यह अमानत दे सकते हैं और जब चाहें अपने खजाने से और प्यार दे सकते हैं। मेरा काम है कि मैं इतनी मेहनत करूं कि यह प्यार बार-बार मिलता रहे। अभी तक जितना प्यार मिला है, उसने मेरी भूख कम नहीं की, बल्कि और बढ़ा दी है।

**शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?**

मैंने सपने देखना ही शाहरुख सर को देखकर शुरू किया है। लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं और उनके जैसा बनने का सपना देखते हैं। मेरे लिए तो वह उससे भी आगे हैं।मैंने उनसे पूछा कि शुरुआती दौर में फिल्में कैसे चुनते थे? उन्होंने कहा- 'उन लोगों के साथ काम करो, जिनके साथ आपका मन लगे और जो आपको प्यार करते हों।' उनके अंदर 35 साल के अनुभव के बाद भी सीखने और सिखाने की वही ऊर्जा है। वह सेट पर सैंडबैग उठाकर बताते हैं कि यह आपका मार्क है, ऐसे डायलॉग बोलकर देख सकते हो। जब वह शूट नहीं कर रहे होते तो एक कुर्सी लेकर बैठ जाते और देखते कि सिनेमा कैसे बन रहा है। उनके अंदर का पैशन और जज्बा देखकर मुझे समझ आया कि वह शाहरुख खान क्यों बने हैं।

**पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का फोन आया तो आपका रिएक्शन क्या था?**

मेरे लिए दो राय की कोई बात नहीं थी। मैंने कहा कि मुझे दीवार पर मक्खी भी बना देंगे तो मैं मक्खी बन जाऊंगा, बस उनके साथ काम करने का मौका मिलना चाहिए। जिस दिन मेरा शूट नहीं होता था, तब भी मैं सेट पर पहुंच जाता था। अगर मेरा शूट जल्दी खत्म हो जाता और उनका शूट चल रहा होता तो मैं पूरा दिन सेट पर रहता। जब फोन आया तो पैसे की बात भी हुई। मैंने कहा कि मेरे लिए इससे ऊपर कोई बात नहीं है। आप प्रोफेशनल तौर पर जो ठीक समझें, करिए। मेरे लिए उनके साथ काम करना ही सबसे बड़ा मौका था।

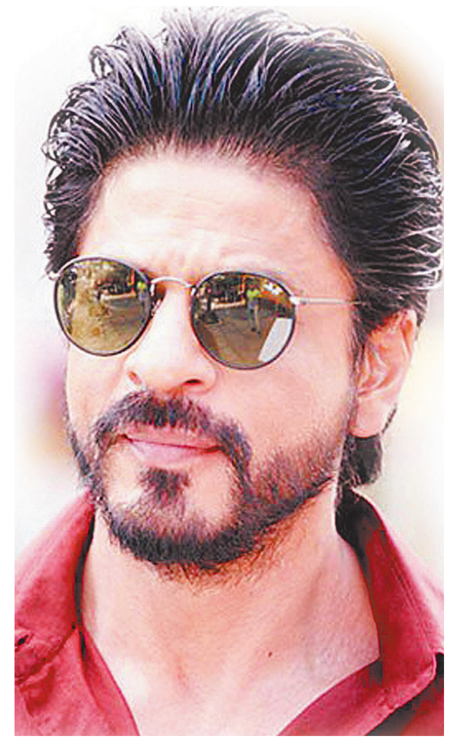

## 'मिर्जापुर' में 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?'

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।'

# रुक्मिणी वसंत के लिए मुसीबत बनी टॉक्सिक

## फैंस सुना रहे खरी-खोटी

**यश की 'टॉक्सिक' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर देश में 101.10 करोड़ का नेट कलेक्शन कर बंपर शुरुआत की है। गीतू मोहनदास की यह फिल्म अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। एक तरफ जहां यश के फैंस सिनेमाघरों में सीटियां बजा रहे हैं, वहीं 'कांतारा' फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के लिए यह सिर दर्द' साबित हो रहा है।**

ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा: चैप्टर 1' में लोगों ने रुक्मिणी को कनकवती के किरदार में देखा और खूब सराहा। लेकिन अब 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके बेडरूम सीन को देख लोग खफा हो गए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलुरु में पैदा हुई 29 साल की रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभाया है। महज 7 साल पहले 2019 में कन्नड़ फिल्म 'बीरबल ट्रायोलॉजी' से करियर शुरू करने वाली रुक्मिणी के लिए यह नई फिल्म करियर में बड़ा महत्व रखता है। हालांकि, इस बार सोशल मीडिया पर उनके ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। खासकर उस बेडरूम सीन को लेकर।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम और रेडिट पर वायरल हो क्लिप में रुक्मिणी बिस्तर पर सिर्फ एक कंबल ओढ़े दिख रही हैं। फिल्म में यह यश के किरदार राया के साथ इंटीमेट होने के बाद की सुबह का दृश्य है। यूजर्स ने इस सीन पर सवाल उठाते हुए लिखा है, 'रुक्मिणी, यह क्या बकवास है?' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं ऐसे सीन को कैसे समझूं? रुक्मिणी, सच कहूं तो मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी!'

**यूजर्स ने पूछा- टॉक्सिक की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी आपने?**

एक तीसरे यूजर ने लिखा है, 'क्या आपने फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी? इतनी घटिया स्क्रिप्ट क्यों चुनी?' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इससे ठीक पहले के सीन में मेलिसा बिना कुछ कहे अपने कपड़े उतारने लगती है। यह क्या है, रुक्मिणी से ऐसे सीन की उम्मीद नहीं थी।'

**डीपफेक बिकिनी वीडियो का शिकार बनी थीं रुक्मिणी वसंत**

बहरहाल, रुक्मिणी वसंत की ओर से अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न ही मेकर्स ने ही कोई जवाब दिया है। इससे पहले इसी साल मई 2026 में रुक्मिणी वसंत 'डीपफेक' का भी शिकार बनी थीं। तब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उनका एक स्विमिंग पूल वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वह हरे रंग की बिकिनी में नजर आईं। दावा किया गया कि यह किसी शूटिंग का हिस्सा है।

## 'ललकार' के लिए बड़ा बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करेंगे आमिर

आमिर खान एक बार फिर अपने किरदार के लिए खुद को पूरी तरह बदलने की तैयारी में हैं। आमिर जल्द ही निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की नई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकार' में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर सामने आई नई जानकारी के मुताबिक... 'आमिर अपने किरदार के लिए बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में वह करीब 25 साल के युवक का किरदार निभाएंगे। ऐसे में अपनी उम्र से काफी कम दिखने के लिए एक्टर वजन कम करने की खास तैयारी कर रहे हैं। आमिर ने फिल्म के लिए वजन कम करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वह एक बड़े वेट लॉस प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं। आमिर के लिए यह बदलाव केवल वजन घटाने तक सीमित नहीं होगा। किरदार को विश्वसनीय बनाने के लिए उनके लुक, बॉडी शेप और स्क्रीन प्रेजेंस पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।' आमिर पहले भी अपनी उम्र से अलग किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका चुके हैं। '3 इडियट्स' में उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट का किरदार निभाया था।

## भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने हालिया बातचीत में बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, 'संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं?' अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, 'इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है।

# करीना कपूर ने 'दायरा' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मुंबई के उन हिस्सों और ऐसी जगहों पर पहुंचाया, जहां वह पहले कभी नहीं गई थीं। करीना ने कहा कि भले ही वह पूरी जिंदगी इसी शहर में रही हैं और पूरे भारत में घूमी हैं, लेकिन 'दायरा' ने उन्हें मुंबई का एक अनदेखा पहलू दिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मुंबई में मेरा जन्म हुआ। सारी जिंदगी इस शहर में रहते हुए देशभर में काफी सफर करने के बाद, मुझे लगता था कि मैं इस शहर और देश को अच्छे से जानती हूं, लेकिन फिल्म दायरा की शूटिंग के दौरान मैं ऐसी-ऐसी जगहों पर गईं, जो मैंने पहले कभी ना देखी थी और ना जानती थी।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म दायरा ने उनकी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा, 'दायरा का सफर मेरी रचनात्मकता को उन जगहों तक ले गया, जो मेरे लिए अब तक अनजान थे। दायरा ने मेरी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। मैंने सीखा है कि हमारी जिंदगी और समाज सिर्फ दोहरा नहीं है, सब कुछ सिर्फ काला या सफेद नहीं होता। इनके बीच एक पूरा स्पेक्ट्रम है, ग्रे का एक पूरा संसार है, जिसमें हम जीते हैं। दायरा उस ग्रे को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं करती बल्कि, ये उसके अंदर उतरती है, उसे कुरेदती है। यही दायरा का सार है। क्योंकि दायरा की दुनिया पूरी तरह ग्रे है, लेकिन इसके साथ-साथ, हमेशा दोहरी भी है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'यह फिल्म हमेशा से ही दोहरी कहानी वाली रही है। अपने मूल में 'दायरा' सिर्फ दोहराव के बारे में है और यह दोहरापन फिल्म के दो मुख्य किरदारों के जरिए दिखाया गया है। कास्टिंग के लिहाज से, यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकारों को एक-दूसरे के सामने लाना। क्योंकि 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो एक नहीं, बल्कि देश भर में हुई कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। दायरा की कहानी भारत के किसी एक शहर या राज्य में नहीं घटती, बल्कि यह हमारे देश में लगभग हर जगह घटती है। दायरा की इस दुनिया को बेहतरीन कलाकारों और शानदार टीम ने जीवंत किया है।' उन्होंने बताया कि इस कहानी में दोनों कलाकार कानून के सफर में हैं, लेकिन फिर, दोंनो खुद को कानून की नाजुक लकीरों के आर-पार पाते हैं।

फिल्म में मैंने अजूनी का किरदार निभाया है, जो अपने उसूलों को लेकर अटूट है और पृथ्वीराज के रमन के तेवर भी उनके उसूल जितने मजबूत हैं। जिंदगी की तरह, दायरा में भी, दोनों के फैसले न काले हैं, न सफेद। दोनों ग्रे के एक ऐसे इंद्रधनुष में घुले हैं, जहां कुछ भी साफ-साफ, सही या गलत नहीं है। कभी कानून उन्हें रास्ता दिखाता है, तो कभी वही कानून उनके रास्ते रोक देता है। कानून की लकीरों के दरम्यान का सफर, है दायरा।'

करीना ने बताया कि इस फिल्म में वे बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है।

## सोलह कलाओं के अवतार हैं

# श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढ़ाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की। अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें 'भगवान श्रीकृष्ण' के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है। कृष्ण ने सारी दुनिया को कर्मयोग का पाठ पढ़ाया। उन्होंने प्राणीमात्र को यह संदेश दिया कि केवल कर्म करना आदमी का अधिकार है। फल की इच्छा रखना उसका अधिकार नहीं। इंसान सुख और दुख दोनों में भगवान का स्मरण करता है। श्रीकृष्ण का जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनके जीवन को हम तीन भागों में विभक्त करें तो वे जेल में पैदा हुए, महल में जिए और जंगल से विदा हुए। जेल में पैदा होना बुरी बात नहीं है, जेल में जीना और मरना अपराध हुआ करता है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। भगवान श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भगवान महावीर आदि महापुरुषों ने हमें जीवन जीने की सीख दी है। राम, कृष्ण एवं महावीर का जीवन अलग-अलग मर्यादाओं और संदेशों पर आधारित है। राम ने जीवन भर मर्यादाएं नहीं तोड़ीं, वे देव बनकर जिए। श्रीकृष्ण वाकपुटता में जीवन जीते रहे। मर्यादाओं से नीरस हुए जीवन को कृष्ण ने रस और आनंद से भर दिया, लेकिन महावीर ने परम विश्राम और समाधि का सूत्र दिया। उन्होंने मौन साधना सिखाई। मित्रता सीखनी हो तो कृष्ण से सीखो वे सबको अपने समान चाहते थे। उनकी दृष्टि में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। अतः हमें भी कृष्ण की इसी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

## व्रत-पूजन कैसे करें

### उपवास की पूर्व रात्रि को हल्का भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें।

उपवास के दिन प्रातःकाल स्नानादि नित्य कर्मों से निवृत्त हो जाएं।

तत्पश्चात सूर्य, सोम, यम, काल, संधि, भूत, पवन, दिक्‌पति, भूमि, आकाश, खेचर, अमर और ब्रह्मादि को नमस्कार कर पूर्व या उत्तर मुख बैठें।

इसके बाद जल, फल, कुश और गंध लेकर संकल्प करें

**ममखिलपापप्रशमनपूर्वक सर्वाभीष्ट सिद्धये श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं करिष्ये॥**

अब मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकीजी के लिए सूतिकागृह नियत करें।

तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

मूर्ति में बालक श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती हुई देवकी हों और लक्ष्मीजी उनके चरण स्पर्श किए हों अथवा ऐसे भाव हो।

### इसके बाद विधि-विधान से पूजन करें

पूजन में देवकी, वसुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमशः निर्दिष्ट करना चाहिए।

फिर इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पण करें-

**प्रणमे देव जननी त्वया जातस्तु वामनः।**
**वसुदेवात तथा कृष्णो नमस्तुभ्यं नमो नमः।**
**सुपुत्रार्घ्यं प्रदत्तं में गृहाणेमं नमोऽस्तुते।**
**अंत में प्रसाद वितरण कर भजन-कीर्तन करते हुए रतजगा करें।**

## श्रीकृष्ण बना रहे

# मालामाल

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट शृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण दीन दयाल कहलाते हैं। जो भी इनकी शरण में आ जाता है, उसे धनवान बना देते हैं। श्रीकृष्ण की कृपा से हिंदू हमेशा से धनवान होते रहे हैं, लेकिन श्रीकृष्ण की लीलास्थली में मुसलमान भी श्रीकृष्ण की कृपा से निहाल हो रहे हैं और श्रीकृष्ण उन्हें मालामाल बना रहे हैं।

### ऐसे कृपा बरस रही है कृष्ण की

वृंदावन के मुसलमानों को श्रीकृष्ण इसलिए मालामाल बन रहे हैं कि यहां के मुसलमान हिंदुओं की आस्था के केंद्र ठाकुर जी के लिए पूरी निष्ठा के साथ एक से बढ़कर एक शानदार पोशाकें, मुकुट शृंगार तैयार कर रहे हैं।

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट शृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं। कई परिवार वर्षों से ठाकुरजी की पोशाक और मुकुट शृंगार को मूर्त रूप प्रदान करते आए हैं। यह हमारी जीविका का साधन भी है। सैकड़ों मुस्लिम परिवारों का पालन ठाकुरजी की पोशाक और शृंगार के निर्माण से चल रहा है।

### विदेशों में भी इनके कपड़े पहनते हैं श्रीकृष्ण

वृंदावन के मुस्लिम समाज द्वारा बनाई गई पोशाक गुजरात के अहमदाबाद स्थित अक्षरधाम के राधा-कृष्ण के श्री विग्रह और दिल्ली एवं पंजाबी बाग के इस्कान मंदिर के श्री विग्रह धारण करेंगे। वृंदावन में बनाई जाने वाली पोशाकों की मांग इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया के भारतीय मूल के लोगों के अलावा विदेशी भी अधिक पसंद करते हैं। वे वृंदावन से खरीदकर अपने अपने देश ले जाते हैं।

## राधा और कृष्ण का आपस में

# कैसा नाता

भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के बारे में यह माना जाता है कि इन दोनों के बीच प्रेम संबंध था, जबकि असलियत यह है कि कृष्ण और राधा के बीच प्रेम से बढ़कर भी एक नाता था। यह नाता है पति-पत्नी का, लेकिन इस रिश्ते के बारे में सिर्फ तीन लोगों को पता था- एक तो कृष्ण, दूसरी राधा रानी और तीसरे ब्रह्मा जी, जिन्होंने कृष्ण और राधा का विवाह करवाया था, लेकिन इन तीनों में आपके कोई भी इस बात की गवाही देने नहीं आएगा, लेकिन जिस स्थान पर इन दोनों का विवाह हुआ था, वहां के वृक्ष आज भी राधा-कृष्ण के प्रेम और मिलन की गवाही देते हैं।

### तब राधा-कृष्ण का विवाह संपन्न हुआ

गर्ग संहिता के अनुसार, मथुरा के पास स्थित भांडीर वन में भगवान श्रीकृष्ण और देवी राधा का विवाह हुआ था। इस संदर्भ में कथा है कि एक बार नंदराय जी बालक श्रीकृष्ण को लेकर भांडीर वन से गुजर रहे थे। उसी समय अचानक देवी राधा प्रकट हुई। देवी राधा के दर्शन पाकर नंदराय जी ने श्रीकृष्ण को राधा जी की गोद में दे दिया। श्रीकृष्ण बाल रूप त्याग कर किशोर बन गए। तभी ब्रह्मा जी भी वहां उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी ने कृष्ण का विवाह राधा से करवा दिया। कुछ समय तक कृष्ण राधा के संग इसी वन में रहे। फिर देवी राधा ने कृष्ण को उनके बाल रूप में नंदराय जी को सौंप दिया।

### राधा जी की मांग में सिंदूर

भांडीर वन में राधाजी और भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में स्थित विग्रह अपने आप अनोखा है, क्योंकि यह अकेला ऐसा विग्रह है, जिसमें श्रीकृष्ण भगवान राधाजी की मांग में सिंदूर भरते हुए दृश्य हैं।

# भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश

गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अनासक्त कर्म यानी 'फल की इच्छा किए बिना कर्म' करने की प्रेरणा दी। इसका प्रमाण उन्होंने अपने निजी जीवन में भी प्रस्तुत किया। मथुरा विजय के बाद भी उन्होंने वहां शासन नहीं किया।

**कला से प्रेम करो** : संगीत और कलाओं का हमारे जीवन में विशिष्ट स्थान है। भगवान ने मोरपंख और बांसुरी धारण करके कला, संस्कृति एवं पर्यावरण के प्रति अपने लगाव को दर्शाया। इनके जरिए उन्होंने संदेश दिया कि जीवन को सुंदर बनाने में संगीत और कला का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

**निर्बल का साथ दो** : कमजोर एवं निर्बल का सहारा बनो। निर्धन बाल सखा सुदामा हो या षड्यंत्र का शिकार पांडव, श्रीकृष्ण ने सदा निर्बलों का साथ दिया और उन्हें मुसीबत से उबारा।

**अन्याय का प्रतिकार करो** : अन्याय का सदा विरोध होना चाहिए। श्रीकृष्ण की शांतिप्रियता कायर की नहीं, बल्कि एक वीर की थी। उन्होंने अन्याय कभी स्वीकार नहीं किया। शांतिप्रिय होने के बावजूद शत्रु अगर गलत है तो उसके शमन में पीछे नहीं हटें।

**मातृशक्ति के प्रति आदर भाव रखें** : महिलाओं के प्रति सम्मान और उन्हें साथ लेकर चलने का भाव हो। भगवान कृष्ण की रासलीला दरअसल मातृशक्ति को अन्याय के प्रति जागृत करने का प्रयास था और इसमें राधा उनकी संदेशवाहक बनीं।

**अपने अहंकार को छोड़ो** : व्यक्तिगत जीवन में हमेशा सहज एवं सरल बने रहो। जिस तरह शक्ति संपन्न होने पर भी श्रीकृष्ण को न तो युधिष्ठिर का दूत बनने में संकोच हुआ और न ही अर्जुन का सारथी बनने में। एक बार तो दुर्योधन के छप्पन व्यंजन को छोड़कर विदुरानी (विदुर की पत्नी) के घर उन्होंने सादा भोजन करना पसंद किया।

**जीवन में उदारता रखें** : उदारता व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाती है। श्रीकृष्ण ने जहां तक हो सका मित्रता, सहयोग सामंजस्य आदि के बल पर ही परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास किया, लेकिन जहां जरूरत पड़ी, वहां सुदर्शन चक्र उठाने में भी उन्होंने संकोच नहीं किया। वहीं अपने निर्धन सखा सुदामा का अंत तक साथ निभाया और उनके चरण तक पखारें।

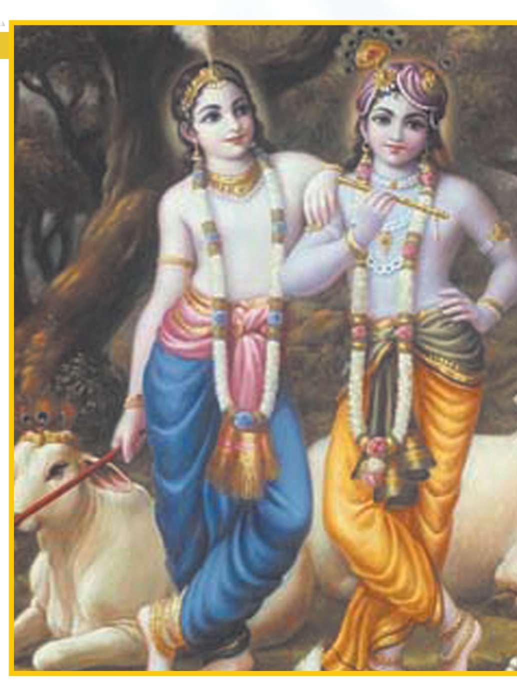

**कविताएं**

## चन्दन की खुशबू, फूलों का हार

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार,
दही की हांडी, बारीश की फुहार,
माखन चुराने आया नंदलाल,
यशोमती मैया का नंदगोपाल !

राधा की भक्ति, मुरली की मिठास,
माखन का स्वाद और गोपियों का रास,
इन्ही सबसे मिलकर बनता है,
जन्माष्टमी का ये दिन ख़ास !

मुरली मनोहर, ब्रिज के धरोहर,
मुरली की मधुर आवाज़, झूम उठे ये बहार,
कृष्ण जिनका नाम, गोकुल जिनका धाम,
श्री कृष्ण भगवान को हम सबका प्रणाम !

## कान्हा

द्वापर में भादों के महीने में
काली अंधेरी रात में
जन्म लिया कान्हा ने
मथुरा में कारागार के कक्ष में।
था दिवस चमत्कारी
सारे बंधन टूट गए
द्वार के ताले स्वत: खुले
जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
बेटे को बचाने के लिए
गोकुल जाने के लिए
वासुदेव ने जैसे ही
जल में पैर धरा
जमुना की श्रद्धा ऐसी जागी
बाढ़ आ गई नदिया में।
बाहर पैर आते ही
कान्हा के पैरों को पखारा
जैसें ही छू पाया उन्हें
अद्‌भुत शांति छाई जल में।
सारा गोकुल धन्य हो गया
कान्हा को पा बाहों में
गोपिया खो गईं
मुरली की मधुर धुन में।
बंधीं प्रेम पाश में उसके
रम कर रह गईं उसी में
ज्ञान उद्धव का धरा रह गया
उनको समझाने में।
वे नहीं जानती थीं उद्‌देश्य
कृष्ण के जाने का
कंस के अत्याचारों से
सब को बचाने का ।
अंत कंस का हुआ
सुखी समृद्ध राज्य हुआ
कौरव पांडव विवाद में
मध्यस्थ बने सहायता की ।
सच्चाई का साथ दिया
युद्ध से विचलित अर्जुन को
गीता का उपदेश दिया
आज भी है महत्व जिसका।
जन्म दिन कान्हा का
हर साल मनाते हैं
श्रद्धा से भर उठाते हैं
जन्माष्टमी मनाते हैं ।